राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार, 23 मार्च 2022 वर्ष-4,अंक-56 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल और गुजरात के लिए अभी से सक्रिय सोनिया गांधी ने बुलाए नेता

नई दिल्ली । पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव में निराशाजनक परिणाम के बाद कांग्रेस अलर्ट हो गई है। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुजरात और हिमाचल प्रदेश के नेताओं को दिल्ली बुलाया है। 2022 में ही गुजरात में भी विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके अलावा अगले साल हिमाचल प्रदेश में भी विधानसभा के चुनाव होने हैं। सोनिया गांधी ने हिमाचल के 12 नेताओं को दिल्ली बुलाया है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के मुताबिक गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष जगदीश ठाकुर, सुखराम राथवा, विपक्ष के नेता अर्जुल मोधवाड़िया समेत अन्य नेताओं को दिल्ली बुलाया गया है। वे सोनिया गांधी के साथ बैठक में शामिल होंगे। दरअसल सोनिया गांधी को भनक लगी थी कि गुजरात में कुछ नेता भाजपा की ओर रुख कर रहे हैं। बीते दिनों राजस्थान के मुख्यमंत्री के सलाहकार और निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने एक ट्वीट किया था जिसमें लिखा था कि गुजरात भाजपा कांग्रेस के 10 विधायकों को लालच देने की कोशिश कर रही है। बता दें कि 2017 में गुजरात में विधानसभा चुनाव हुए थे और कांग्रेस ने 77 सीटों पर जीत हासिल की थी। हालांकि अब कांग्रेस के पास केवल 65 ही विधायक हैं। गुजरात कांग्रेस ने बताया है कि सोनिया गांधी के साथ यह बैठक स्वतंत्रता के 75 साल पूरे होने और आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर है। सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी देवभूमि द्वारका के शिविर में शामिल हुए थे। वहां कई विधायकों ने राहुल गांधी और सोनिया गांधी से सीधे बात करने की इच्छा जताई थी। शिविर के दौरान यह संभव नहीं था इसलिए नेताओं को दिल्ली बुलाया गया है। इस बीच रथवा ने दावा किया था कि जो कांग्रेस नेता भाजपा में गए हैं वे वहां संतुष्ट नहीं हैं और दोबारा कांग्रेस में आने की इच्छा जता रहे हैं।

पेट्रोल की कीमतों में इजाफे पर राज्यसभा में विपक्ष का हल्लाबोल राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली । पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस एलपीजी की कीमतों में हुई वृद्धि को लेकर मंगलवार को राज्यसभा में विपक्षी दलों ने जमकरक हंगामा किया। इस वजह से सदन की कार्यवाही 10 मिनट के भीतर ही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। कांग्रेस नेता शक्तिकांत गोहिल ने स्थगन प्रस्ताव दिया था। उनके प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया। सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर सभापति एम वेंकैया नायडू ने आज विश्व जल दिवस होने का जिक्र किया और जल संरक्षण की दिशा में काम करने की आवश्यकता पर बल दिया था। सदन ने चीन में सोमवार को विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और कुछ देर मौन भी रखा गया। सभापति ने इसके बाद आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए और सदन को बताया कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों के मुद्दे पर कांग्रेस के शक्ति सिंह गोहिल, तृणमूल कांग्रेस की डोला सेन सहित कुछ अन्य सदस्यों ने नियम 267 के तहत नोटिस दिए हैं। सारे नोटिस को अस्वीकार करते हुए उन्होंने शून्य काल के तहत मुद्दे उठाने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सदस्य वंदना चव्हाण का नाम पुकारा।

जी23 के नेताओं के साथ बैठक

सोनिया ने जी23 के कुछ नेताओं के साथ बैठक की, मतभेदों को दूर कर पार्टी को एकजुट करने में जुटा कांग्रेस हाईकमान

नई दिल्ली ।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुलाम नबी आजाद से मुलाकात के कुछ दिनों बाद मंगलवार को आनंद शर्मा एवं मनीष तिवारी समेत 'जी 23 समूह के कुछ नेताओं के साथ बैठक की तथा पार्टी के आंतरिक मुद्दों को हल करने बारे में चर्चा की। सूत्रों का कहना है कि सोनिया गांधी के साथ बैठक में शामिल नेताओं ने पार्टी को मजबूत बनाने और आने वाले चुनावों में भाजपा का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस को सक्षम बनाने के संदर्भ में अपने सुझाव दिए। सूत्रों ने यह भी बताया कि आने वाले दिनों में इस तरह की और बैठकें हो सकती हैं। ये बैठकें ऐसे समय हो रही हैं, जब इस तरह के संकेत मिल रहे हैं कि 'जी 23 के कुछ नेताओं को कांग्रेस कार्य समिति में जगह दी जा सकती है। यह भी हो सकता है कि आलाकमान पार्टी संसदीय बोर्ड जैसी कोई इकाई गठित करे, जिसमें इस समूह के कुछ नेताओं को जगह दी जा सकती है। गठित होने पर इस नयी इकाई के पास मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तय करने तथा समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन करने समेत विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर फैसला करने का अधिकार हो सकता है। 'जी 23 समूह कथित तौर पर यह भी चाहता है कि राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले कुछ नेताओं की उनके पदों से छुट्टी की जाए और इनमें सबसे प्रमुख नाम संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला और महासचिव अजय माकन के हैं। सूत्रों का कहना है कि असंतुष्ट धड़े को मनाने के लिए इन नेताओं में से एक या दो को उनकी मौजूदा जिम्मेदारी से हटाया जा सकता है। राज्यसभा में कांग्रेस के उप नेता आनंद शर्मा, लोकसभा सदस्य मनीष तिवारी और राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा ने सोनिया गांधी के आवास '10 जनपथ% पहुंचकर उनसे मुलाकात की। इस बीच, यह जानकारी भी सामने आई है कि आजाद ने भी समूह के कुछ अन्य नेताओं से मुलाकात की है। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस नेतृत्व 'जी 23 का पक्ष सुनकर मतभेदों को दूर कर तथा पार्टी को मजबूत बनाने के लिए समाधान निकालना चाहता है। 'जी 23 समूह के प्रमुख सदस्य आजाद ने गत शुक्रवार को पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की थी और कहा था कि फिलहाल नेतृत्व परिवर्तन कोई मुद्दा नहीं है तथा उन्होंने सिर्फ संगठन को मजबूत बनाने तथा आगे के विधानसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर अपने सुझाव दिए हैं। आजाद का यह बयान इस मायने में अहम था कि इससे कुछ दिनों पहले ही 'जी 23 के उनके साथी कपिल सिब्बल ने एक साक्षात्कार में खुलकर कहा था कि गांधी परिवार को नेतृत्व छोड़ देना चाहिए और किसी 'जी 23 समूह पार्टी में संगठनात्मक बदलाव और सामूहिक नेतृत्व की मांग कर रहा है।

केजरीवाल का बड़ा ऐलान, शहीद भगत सिंह के नाम पर रखा जाएगा सैनिक स्कूल का नाम

नई दिल्ली । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बड़ा ऐलान कर बताया कि दिल्ली में सैनिक स्कूल का नाम शहीद भगत सिंह के नाम पर रखा जाएगा। यहां बच्चों को फौज में भर्ती होने की ट्रेनिंग दी जाएगी। केजरीवाल ने कहा, 23 मार्च को बुधवार को शहीद ए आजम भगत सिंह का शहादत दिवस है। 23 मार्च को भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी पर लटका दिया गया था। 20 दिसंबर को कैबिनेट ने फैसला किया था कि दिल्ली में एक ऐसा स्कूल बनाएंगे, जहां पर बच्चों को फौज में भर्ती होने की ट्रेनिंग दी जाएगी ताकि वह एनडीए, सेना, नेवी और एयरफोर्स में भर्ती हो सकें। केजरीवाल ने बताया, उस स्कूल का नाम शहीदे आजम भगत सिंह के नाम पर रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि स्कूल में पढ़ाई से लेकर सब कुछ फ्री होगा। यह आवासीय होगा। इसमें लड़के और लड़कियों के अलग अलग रहने की व्यवस्था होगी। केजरीवाल ने कहा, स्कूल के लिए 14 एकड़ का कैंपस बना रहा है। स्कूल के अंदर अफसरों वाली क्वालिटी छात्रों को सिखाई जाएगी। यहां पर एक्सपर्ट फैकल्टी साफ तौर से रिटायर्ड आर्मी, नेवी, एयरफोर्स अफसर होंगे। उन्होंने बताया कि दिल्ली का रहने वाला कोई भी बच्चा इसमें एडमिशन ले सकता है। स्कूल में 9वीं और 11वीं में एडमिशन ले सकते हैं। दोनों कक्षाओं के लिए 100-100 सीटें होंगी। उन्होंने कहा, इस साल से इसकी क्लास शुरू होंगी। केवल 200 सीटों के लिए, 18000 आवेदन आ चुके हैं। 27 मार्च को नवी क्लास में दाखिले के लिए और 28 मार्च को 11वीं क्लास में एडमिशन के लिए टेस्ट होगा। यह पहले चरण का टेस्ट होगा, नतीजों के आधार पर बच्चों को एडमिशन मिलेगा।

अब आप ने किया गुजरात का रुख केजरीवाल और मान अहमदाबाद में करेंगे रोड शो

अहमदाबाद ।

आम आदमी पार्टी पंजाब के प्रदर्शन को गुजरात में दोहराने की कोशिश में है। इसी क्रम में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुजरात दौरे का फैसला किया है। दोनों नेता 2 अप्रैल को अहमदाबाद में रोड शो कर सकते हैं। खास बात है कि बीते साल हुए निकाय चुनाव में आप ने शानदार प्रदर्शन किया था और सूरत नगर निगम में विपक्ष के तौर पर उभरी थी। दिसंबर में गुजरात में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। गुजरात से आप के वरिष्ठ नेता इसुदान गढ़वी बताते हैं, अरविंद जी अब पूरा ध्यान गुजरात पर लगाएंगे और आने वाले दिनों में वे एक महीने में दो से तीन बार राज्य का दौरा कर सकते हैं। आप राज्य में तेजी से अपना विस्तार करने में जुटी हुई है। गढ़वी के अनुसार, पार्टी ने पहले ही 52 हजार में से 32 हजार बूथ पर प्रभारी नियुक्त कर दिए हैं। कांग्रेस का नुकसान, आप का फायदा गुजरात में आप के ग्राफ के इजाफे को कांग्रेस के नुकसान से जोड़कर देखा जा रहा है। आप के वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि कांग्रेस ने साल 2017 में मौका गंवा दिया। वे बताते हैं कि उस दौरान कांग्रेस पाटीदार आंदोलन की लहर पर सवार थी और 25 सालों में पहली बार बड़ा आंकड़ा छुआ था। साथ ही 182 सीटों वाले गुजरात में भाजपा की सीटों को भी प्रभावित किया था।आप के एक नेता ने बताया, लेकिन नतीजे आंदोलन का परिणाम थे और भाजपा की हार को सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस ने खुद कुछ भी नहीं किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस विधायकों के पार्टी छोड़ने की ओर भी इशारा किया। इधर, 10 और कांग्रेस विधायकों के भाजपा में शामिल होने की अटकलें जारी हैं। राजस्थान के निर्दलीय विधायक ने इस संबंध में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को सचेत किया है। गांव स्तर पर कमेटियां स्थापित की हैं और आखिरकार 138 विधानसभा प्रभारी नियुक्त किए हैं, जिन्हें पहले ही ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

उमर अब्दुल्ला के पास पहुंचे 4 अनजान लोगों के वैक्सीन सर्टिफिकेट

नई दिल्ली । भारत में कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण कार्यक्रम शुरू होने के बाद कई खबरें सामने आई कि वैक्सीन लेने के बाद कुछ सर्टिफिकेट्स किसी लाभार्थी के बजाए किसी अंजान व्यक्ति के पास पहुंच गए। फिलहाल, ताजा मामले में इस स्थिति का सामना जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला कर रहे हैं। उन्होंने ट्वीट के जरिए इस बात की जानकारी दी है। साथ ही उन्होंने वैक्सीन लेने वालों से सर्टिफिकेट को लेकर सवाल भी किया है। अब्दुल्ला ने ट्वीट किया, प्रिय आशिना, करीम, प्रशांत और अमिना, आपको पहली कोविड वैक्सीन के लिए बधाई। हालांकि, मैं बिल्कुल नहीं जानता कि आप लोग कौन हैं और आपने मेरा मोबाइल नंबर अपने सर्टिफिकेट के लिए क्यों दिया। कृपया मुझे बताएं कि आप क्या चाहते हैं कि मैं आपके वैक्सीन सर्टिफिकेट्स के साथ क्या करू। शुभकामनाएं।

वरुण गांधी ने भाजपा सरकार पर उठाए सवाल निजीकरण से खत्म हो जाएंगी लाखों परिवारों की उम्मीदें

नई दिल्ली । भाजपा सांसद वरुण गांधी ने एक बार फिर अपनी ही पार्टी पर हमला किया है। मंगलवार सुबह उन्होंने बैंग और रेलव के निजीकरण को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि सरकार के इस कदम से बहुत सारे लोगों के रोजगार चले जाएंगे। बता दें कि पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी अकसर भाजपा को अपने सवालों से घेरते रहते हैं। वरुण गांधी ने ट्वीट किया, केवल बैंक और रेलवे का निजीकरण ही 5 लाख कर्मचारियों को 'जबरन सेवानिवृत्त' यानि बेरोजगार कर देगा। समाप्त होती हर नौकरी के साथ ही समाप्त हो जाती है लाखों परिवारों की उम्मीदें। सामाजिक स्तर पर आर्थिक असमानता पैदा कर एक 'लोक कल्याणकारी सरकार' पूंजीवाद को बढ़ावा कभी नहीं दे सकती। बता दें कि इससे पहले राहुल गांधी समेत विपक्ष के कई नेता यही बात कहकर भाजपा सरकार को घेरते रहे हैं। भारत का रेल नेटवर्क दुनिया का सबसे बड़ा नेटवर्क है। इसमें 13 लाख से ज्यादा लोग काम करते हैं। बीते साल जब ज्यादा सवाल उठे तो रेल मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि, रेलवे का निजीकरण कभी नहीं होगा।

प्रमोद सावंत 28 मार्च को लेंगे सीएम पद की शपथ पीएम मोदी हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली । गोवा में मुख्यमंत्री पद को लेकर सस्पेंस खत्म हो चुका है। प्रमोद सावंत का शपथ ग्रहण समारोह 28 मार्च को आयोजित हो सकता है। खबर है कि इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई बड़े नेता शामिल हो सकते हैं। 40 सीटों वाली गोवा विधानसभा में भाजपा ने 20 सीटों पर जीत हासिल की थी। साथ ही निर्दलीय विधायकों ने भी भाजपा को समर्थन देने का ऐलान कर दिया था। सूत्रों के हवाले से लिखा कि सावंत 28 मार्च को सीएम पद की शपथ ले सकते हैं। उनके शपथ ग्रहण में पीएम मोदी भी शामिल हो सकता है। खुद सावंत ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने पीएम मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। सावंत ने भाजपा नेताओं के साथ मिलकर सोमवार को राज्यपाल पीएस श्रीधरन से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया। राज्य में सीएम पद के लिए सावंत के अलावा विश्वजीत राणे को लेकर भी सियासी गलियारों में चर्चाएं थी। फिलहाल, भाजपा के चारों राज्यों में सीएम का नाम तय हो चुका है।

सिद्धू का केजरीवाल पर कटाक्ष- हरभजन को छोड़कर बाकी सब दिल्ली के रिमोट कंट्रोल की बैटरियां

चंडीगढ़।

कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने पंजाब से राज्यसभा के पांच उम्मीदवारों के चयन को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) पर कटाक्ष किया है। सिद्धू ने मंगलवार को ट्वीट करके क्रिकेटर हरभजन सिंह को छोड़कर आप के प्रत्याशी चयन पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, ÷दिल्ली रिमोट कंट्रोल के लिए ये नई बैटरियां हैं, जो टिमटिमा रही हैं। हरभजन एक अपवाद हैं, बाकी सब बैटरी है। यह पंजाब के साथ विश्वासघात है! आप ने जिन 5 नामों का ऐलान किया है, उनमें दिल्ली आईआईटी के प्रोफेसर संदीप पाठक, क्रिकेटर हरभजन सिंह शामिल हैं। इसके अलावा पंजाब ईकाई के सह-प्रभारी राघव चड्ढा को भी राज्यसभा भेजा जा रहा है। इस सूची में चौथा और पांचवा नाम अहम हैं क्योंकि इनका आम आदमी पार्टी से कोई राजनीतिक नाता नहीं रहा है। ये नाम हैं, अशोक मित्तल और संजीव अरोड़ा। अशोक मित्तल लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के फाउंडर हैं। इसके अलावा संजीव अरोड़ा बड़े उद्योगपति हैं। डॉ. संदीप पाठक लंबे समय से आम आदमी पार्टी से जुड़े हैं और अरविंद केजरीवाल के बैकरूम को संभालते रहे हैं। हरभजन सिंह भारतीय क्रिकेट टीम में स्पिनर रह चुके हैं। हरभजन सिंह भारतीय क्रिकेट टीम में स्पिनर रह चुके हैं। जालंधर के रहने वाले हरभजन सिंह आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) में मुंबई इंडियंस और किंग्स इलेवेन पंजाब के कप्तान भी रह चुके हैं। नामांकन दाखिल करने के बाद हरभजन सिंह ने कहा कि वह खेलों और खेल से जुड़ी बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए काम करेंगे। 9 अप्रैल को समाप्त होने वाले राज्यसभा सांसदों के कार्यकाल के कारण पंजाब में पांच सीटें खाली हो रही हैं। ये सांसद प्रताप सिंह बाजवा और एसएस डुलो (दोनों कांग्रेस से), श्वेत मलिक (भाजपा), नरेश गुजराल (शिअद) और एसएस ढींडसा हैं (शिअद-संयुक्त)। पंजाब में आरएस की सात सीटें हैं। बलविंदर सिंह भुंदर (शिअद), अंबिका सोनी (कांग्रेस) का कार्यकाल 4 जुलाई को समाप्त होगा। इन दोनों सीटों पर इस साल के अंत में मतदान होगा।

यूपी में योगी कैबिनेट की कवायद, केशव मौर्य फिर बन सकते हैं डिप्टी सीएम

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश में प्रचंड जीत हासिल के बाद योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा दोबारा सरकार करने जा रही है। मंत्रिमंडल की घोषणा होना अभी बाकी है। संभावना जताई जा रही है कि भारतीय जनता पार्टी केशव प्रसाद मौर्य को दोबारा उप-मुख्यमंत्री बना सकती है। साथ ही पार्टी के प्रदेश प्रमुख स्वतंत्र देव सिंह को भी कैबिनेट में अहम पद दिया जा सकता है। भाजपा ने योगी के नेतृत्व में लगातार दूसरी बार ऐतिहासिक जीत हासिल की है। एक रिपोर्ट में भाजपा के सूत्रों के हवाले से लिखा गया है कि इस पर अंतिम फैसला लिया जाना बाकी है। वहीं, एक और डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा की जगह कोई ब्राह्मण चेहरा, बृजेश पाठक या कोई और ले सकता है। खबर है कि 24 मार्च को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में अहम पदों को लेकर बड़ा फैसला लिया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि पार्टी तीसरे उप-मुख्यमंत्री पद पर भी विचार कर रही है। इस पद के लिए आगरा ग्रामीण से विधायक बेबी रानी मौर्य का नाम सबसे आगे चल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा 2024 लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए योगी कैबिनेट तैयार करने पर विचार कर रही है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी के कमजोर होने से नए विकल्प तलाश रहे दलित वोट बैंक को भी भाजपा जीतने की कोशिश कर रही है। इसी तरह प्रदेश इकाई के प्रमुख सिंह को भी मंत्रिमंडल में शामिल करने के फैसले को गैर-यादव ओबीसी वोट से जोड़कर देखा जा रहा है। माना जाता है कि यह वर्ग साल 2014 से ही पार्टी का वफादार रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया कि अगर स्वतंत्र देव सिंह को कैबिनेट में शामिल किया जाता है।

कश्मीरी पंडितों को साजिश के तहत भगाया गया, उस वक्त दिल्ली में बैठे लोग जिम्मेदार - अब्दुल्ला

श्रीनगर । कश्मीर फाइल्स फिल्म पर हो रहे विवाद के बीच जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला का बयान सामने आया है। अब्दुल्ला ने कहा कि कश्मीर में 1990 में जो भी हुआ वह साजिश थी, और कश्मीरी पंडितों को साजिश के तहत भगाया गया था। उन्होंने कश्मीर फाइल्स को प्रोपेगेंडा फिल्म बताया। अब्दुल्ला ने कहा कि वह वक्त (जब कश्मीरी पंडितों ने कश्मीर छोड़ा) बहुत खराब वक्त था। उस वक्त कश्मीरी पंडितों पर जो मुसीबतें आईं उसके लिए मेरा दिल आजतक रो रहा है। कोई कश्मीरी ऐसा नहीं है, जो उनके लिए रो नहीं रहा है। सब चाहते हैं कि उनकी घर (कश्मीर) वापसी हो जाएं, तब ही कश्मीर पूरा होगा। अब्दुल्ला ने कहा कि 90 में जो कुछ हुआ वह साजिश थी, इस साजिश जो किसने किया? इसकी जांच के लिए कमीशन बैठाया जाए, तब पता चलेगा कि कौन-कौन इसमें शामिल था। अब्दुल्ला ने कहा कि मेरे ऊपर सवाल उठाए जा रहे हैं, लेकिन मैं इसका (कश्मीरी पंडितों के घर छोड़ने के) जिम्मेदार नहीं हूं। जिम्मेदार वे हैं जो उस वक्त दिल्ली पर राज कर रहे थे। कश्मीर फाइल्स फिल्म पर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर मसलों को सुलझाना है,तब दिल जोड़ने वाली बात करनी होगी, यह फिल्म दिल जोड़ नहीं रही है, बल्कि तोड़ रही है। सारे मुल्क में आग लगा रही है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि मैं पीएम मोदी से गुजारिश करूंगा कि ऐसी चीजें ना करें जिससे मुसलमान-हिंदुओं के रिश्ते और खराब हों जाए, ऐसा हुआ तब मुल्क की सूरत ऐसी बन जाएगी जैसी हिटलर के जमाने में जर्मनी में हुई थी। अपने ऊपर लगे आरोपों को फारूक अब्दुल्ला ने गलत बताकर कहा कि उस वक्त वहां मुखिया जगमोहन (जम्मू कश्मीर के राज्यपाल) थे। वह अब नहीं रहे लेकिन कश्मीरी पंडितों को उन्होंने निकलवाया। उनके घर पर उन्होंने गाड़ियां भेजीं, पुलिसवालों को इन लोगों को गाड़ियों में बैठाने को उन्होंने कहा था। करीब 800 खानदान (कश्मीरी पंडितों के) अभी भी कश्मीर में शांति से रह रहे हैं। किसी ने उन्हें हाथ नहीं लगाया, किसी ने उन्हें नहीं मारा। फारूक ने कहा कि ए.एस दुल्लत (उस वक्त के रॉ प्रमुख), आरिफ मोहम्मद खान, मोहसर रजा (उस वक्त से चीफ सेक्रेटरी) से पूछे कि कश्मीरी पंडितों के जाने के लिए कौन जिम्मेदार है, अगर ये लोग कहते हैं, कि फारूक जिम्मेदार है,तब मुझे जहां चाहें फांसी दे दें। लेकिन पहले कमीशन बने, जो देखेगा कि कौन सही है और कौन गलत है। किसने कुपवाड़ा में हमारी बहनों का रेप किया। किसने मस्जिद से निकल रहे लोगों पर गोलियां चलाईं। इस दौरान पूछा गया कि कश्मीरी लोगों का दिल जीतने के लिए सरकार को क्या करना होगा। इसपर अब्दुल्ला ने कहा कि सबसे पहले जम्मू-कश्मीर में परिसीमन हो, राज्य का दर्जा वापस दिया जाए। यह देश का ताज है,इस फिर से चमकाया जाए। किसने मस्जिद से निकल रहे लोगों पर गोलियां चलाईं। इस दौरान पूछा गया कि कश्मीरी लोगों का दिल जीतने के लिए सरकार को क्या करना होगा। इसपर अब्दुल्ला ने कहा कि सबसे पहले जम्मू-कश्मीर में परिसीमन हो, राज्य का दर्जा वापस दिया जाए। यह देश का ताज है,इस फिर से चमकाया जाए। अब्दुल्ला ने कहा कि हिंदू मुसलमान का रिश्ता ठीक करने की कोशिश करनी होगी। इसके बाद ठीक से, ईमानदारी से चुनाव कराना होगा। उन्होंने कहा कि अगर जम्मू कश्मीर में हिंदू मुख्यमंत्री ईमानदारी से आता है, चाहे वह कश्मीरी हो या ना हो उसे माना जाएगा. लेकिन अगर बेइमानी से आएगा, तब उस कभी कबूल नहीं किया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार मुट्ठी भर संकल्पवान लोग जिनकी अपने लक्ष्य में दृढ़ आस्था है, इतिहास की धारा को बदल सकते हैं। - महात्मा गांधी

संपादकीय

मौसम और पानी

सब चकित हैं, मौसम अचानक बदल गया है। मार्च में ही अप्रैल जैसी गरमी का एहसास न केवल अध्ययन का विषय है, बल्कि संकेत है कि हम भी बदलते मौसम के प्रति पहले से कहीं ज्यादा सचेत हो जाएं। रविवार को मुंबई में जहां पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया, तो वहीं दिल्ली में इसने 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। राजधानी में न्यूनतम तापमान 21.2 था, इसका मतलब है, गरम कपड़ों की जरूरत अचानक से खत्म हो चुकी है। पंखे तेज चल पड़े हैं, उनके बिना बचैनी महसूस होने लगी है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इस वक्त पश्चिमी विक्षोभ के कारण बारिश होती थी, तो ठंडी हवा नसीब होती थी, लेकिन इस बार वह विक्षोभ देखने में नहीं आया है। दिन साफ होने लगे हैं और सूरज तपने लगा है। चूंकि घरों की दीवारें अभी ठंडी हैं, इसलिए गरमी कुछ कम महसूस हो रही है, वरना तापमान ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। आमतौर पर मार्च के महीने में आठ मिलीमीटर तक बारिश हो जाती है, पर इस महीने दिल्ली बारिश के लिए तरस रही है। इस महीने के आने वाले दिनों में भी मौसम विभाग को अनुमान है कि अधिकतम और न्यूनतम पारा कमोबेश यथावत ही रहेगा। इन दिनों न्यूनतम पारा को 15 डिग्री सेल्सियस तक होना चाहिए, लेकिन अब 20 डिग्री सेल्सियस के करीब चल रहा है। तेज धूप चुभेगी और लोग सिर छिपाने के लिए ठौर तलाशेंगे। मौसम बदलने का यह समय तरह-तरह के संक्रमण का भी समय हो सकता है, अत- सावधान रहने की जरूरत है। मौसमी बीमारियों का खतरा इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि हवा में प्रदूषण का स्तर भी ज्यादा है। ऐसा नहीं है कि गरमी कुछ ही क्षेत्रों तक सिमटी हुई हो, राजस्थान से बिहार तक अचानक बढ़ी गरमी की खूब चर्चा हो रही है। यह भी गौर करने की बात है कि विगत सप्ताह से अंटार्कटिका में भी तापमान रिकॉर्ड तोड़ रहा है। दुनिया के इस सबसे ठंडे स्थान पर तापमान सामान्य से 30 डिग्री सेल्सियस ऊपर चढ़कर माइनस 11 डिग्री सेल्सियस हो गया है। अंटार्कटिका में ऐसा कभी नहीं हुआ था, इससे वैज्ञानिकों में भी चिंता व्याप्त हो गई है। यह पृथ्वी और प्राकृतिक संसाधनों के बारे में गहराई से चिंतन का समय है। मौसम पर विचार इसलिए भी मौजूं है, क्योंकि आज दुनिया में जल दिवस भी मनाया जा रहा है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ेगा, वैसे-वैसे जल की जरूरत भी बढ़ती जाएगी। प्रदूषण के विरुद्ध भी पानी एक महत्वपूर्ण उपचार या दवा का काम करता है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि हमें विगत वर्षों से सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। जब भी मीठे पानी का ख्याल आता है, लोग नदियों, आर्द्रभूमि, झीलों या जलाशयों के बारे में सोचते हैं। हममें से बहुत से लोग पानी बर्बाद करते हुए यह भी ध्यान नहीं रखते हैं कि पृथ्वी पर पानी की कुल मात्रा में से 97.5 प्रतिशत खारा पानी है और केवल 2.5 प्रतिशत ही ताजा पानी है। मीठे पानी में से सिर्फ 0.3 प्रतिशत सतह पर तरल रूप में है। इसलिए लोगों को यह बार-बार बताने की जरूरत है कि हमारी दुनिया में जल संरक्षण कितना जरूरी है। बड़े-बड़े शहर भी पेयजल के लिए तरसने लगे हैं। हमारे देश में भी अनेक शहरों के पास इतना पानी नहीं कि वे सभी लोगों को उनकी जरूरत भर का पानी दे सकें। हमें अपने आसपास पानी बचाने पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करना होगा, दूर स्थित नदियां या जलाशय ज्यादा दिनों तक काम नहीं आएंगे।

आज के कार्टुन

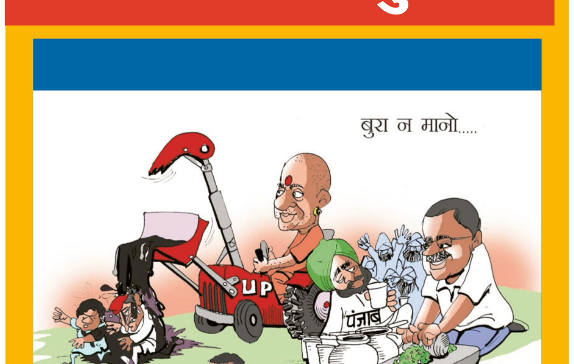

अपनों के निशाने पर कांग्रेस पार्टी

– रमेश सर्राफ धमोरा

पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस पार्टी अपने ही नेताओं के निशाने पर आ गई है। जी-23 ग्रुप के नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने तो सीधे गांधी परिवार पर हमला करते हुए उन्हें पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देकर दूसरे किसी कांग्रेस जन को कांग्रेस अध्यक्ष बनाने तक की मांग कर डाली है। कपिल सिब्बल के बाद बहुत से नेताओं ने भी पार्टी संगठन में आमूलचूल बदलाव की मांग की है। कांग्रेस पार्टी इस समय अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। कांग्रेस पार्टी दो बार लोकसभा तथा राज्यों के विधानसभा चुनाव में लगातार हारती जा रही है। हाल ही में कांग्रेस पार्टी को उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा व मणिपुर में बहुत बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े प्रांत में तो कांग्रेस का सूपड़ा ही साफ हो गया है। 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद जहां भाजपा का प्रदर्शन लगातार अच्छा होता जा रहा है। वहीं कांग्रेस दिनों दिन कमजोर होती जा रही है। कुछ दिनों पूर्व संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस महज दो सीटें ही जीत सकी है। जबकि 2017 में कांग्रेस 7 सीटों पर विजय हुई थी। इस बार कांग्रेस को 21 लाख 51 हजार 234 वोट मिले जो पिछली बार 54 लाख 16 हजार 540 वोटों की तुलना में 32 लाख 65 हजार 306 वोट यानी 3.92 प्रतिशत कम मिले हैं। इस बार कांग्रेस 397 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जबकि पिछली बार समाजवादी पार्टी से समझौता होने के चलते महज 114 सीटों पर ही चुनाव लड़ पाई थी। उत्तराखंड में कांग्रेस 70 में से 19 सीटें ही जीत पाई है। जबकि इस बार कांग्रेस को सबसे अधिक विश्वास उत्तराखंड में सरकार बनाने का था। मगर वहां 4.40 प्रतिशत वोट बढ़ने के बावजूद भी कांग्रेस सरकार बनाने से बहुत पीछे रह गई। इतना ही नहीं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत इस बार भी लालकुआं विधानसभा सीट से भाजपा के डॉ. मोहन सिंह बिष्ट से करीब 17 हजार वोटों से चुनाव हार गए। 2017 में भी हरीश रावत मुख्यमंत्री रहते दो विधानसभा सीटों से चुनाव हार गए थे। कांग्रेस को सबसे बुरी स्थिति का पंजाब में सामना करना पड़ा है। यहां कांग्रेस महज 18 सीटों पर ही सिमट कर रह गई। उसे 59 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है। कांग्रेस का वोट प्रतिशत भी घटकर 22.98 प्रतिशत रह गया है। जो पिछली बार की तुलना में 15.66 प्रतिशत कम है। कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री रहे चरणजीत सिंह चन्नी दोनों विधानसभा सीटों चमकौर साहिब व भदौड़ से तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू अमृतसर पूर्व सीट से चुनाव हार गए हैं। इसके अलावा कांग्रेस के अधिकांश मंत्री व बड़े नेता चुनाव हार गए हैं। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के बाद पंजाब में भी कांग्रेस से सत्ता छीन ली है। राजनीति के जानकार गोवा विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस की सरकार बनने के कयास लगा रहे थे। लोगों का मानना था कि लगातार 15 साल से सत्ता में रहने के कारण भाजपा के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर व्याप्त हो रही थी। जिसका लाभ कांग्रेस को मिलता नजर आ रहा था। मगर चुनाव परिणामों में कांग्रेस बुरी तरह पिछड़ गई। कांग्रेस को 40 में से महज 11 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। 20 सीटें जीतकर भाजपा फिर सरकार बनाने जा रही है। गोवा विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस पार्टी को पिछली बार की तुलना में 6 सीटों का व 4.58 प्रतिशत वोटों का घाटा उठाना पड़ा है। गोवा के मतदाताओं ने कांग्रेस की पिछली बार की गलती को माफ नहीं किया है। रही सही कसर वहां आम आदमी पार्टी व तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशियों ने कांग्रेस के वोट काटकर पूरी कर दी। गोवा में तो लगता है कि कांग्रेस में आने वाले समय में कोई बड़ा नेता नहीं बचेगा। वहां आप, तृणमूल कांग्रेस व भाजपा की नजर कांग्रेस के नेताओं को तोड़कर अपने पाले में लाने पर लगी हुई है। मणिपुर विधानसभा के चुनाव में भी कांग्रेस बहुत कमजोर स्थिति में आ गई है। इस बार कांग्रेस महज 5 सीटें ही जीत पाई है। जबकि पिछली बार उसने 28 सीटों पर चुनाव जीता था। पिछली बार की तुलना में वहां कांग्रेस को 18.17 प्रतिशत वोट भी कम मिले हैं। उत्तर पूर्व के सभी आठों राज्यों में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई है। 2014 में लोकसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस केंद्र की सत्ता से बाहर हो गई थी। फिर 2019 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस हार गई थी। इसके साथ ही राज्य विधानसभाओं के चुनाव में भी कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। 2018 जरूर कांग्रेस के लिए कुछ अच्छा रहा। इस वर्ष कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में अपनी सरकार बनाई। मगर पार्टी में नेताओं की आपसी गुटबाजी के चलते कर्नाटक व मध्य प्रदेश में भाजपा ने कांग्रेस में दलबदल करवा कर अपनी सरकार बनवा ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री व मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ अपने साथी विधायकों को संतुष्ट नहीं कर पाए। जिसके चलते उन्हें सत्ता गंवानी पड़ी। अभी राजस्थान व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार चल रही है। महाराष्ट्र व झारखंड में कांग्रेस गठबंधन सरकार में शामिल है। कभी पूरे देश पर एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस आज महज दो- चार प्रदेशों तक ही सिमट कर रह गई है। कांग्रेस के बड़े नेता जितिन प्रसाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, कैप्टन अमरिंदर सिंह, सुष्मिता देव, लुइजिन्हो फलेयरो, आर पी एन सिंह, आदिति सिंह ने कांग्रेस छोड़ दी है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद आयोजित कांग्रेस कार्यसमिति की मीटिंग में रश्मि तौर पर तो सभी ने गांधी परिवार पर भरोसा जताया। सोनिया गांधी को पद बने रहने का प्रस्ताव पास कर दिया था। मगर पार्टी के अंदर खाने लोगों में बदलाव की मांग तेज होती जा रही है। बहुत से वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष गांधी परिवार से बाहर के व्यक्ति को बनाने की मांग कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में 397 सीटों पर चुनाव लड़ने पर कांग्रेस को महज 2.33 प्रतिशत वोट मिले। जबकि मात्र 34 सीटों पर चुनाव लड़ने वाले राष्ट्रीय लोकदल को कांग्रेस से अधिक 2.85 प्रतिशत वोट मिले हैं। उत्तर प्रदेश से लोकसभा की 80 सीटें आती हैं। वहां कांग्रेस का महज दो सीटों पर सिमट जाना पार्टी के लिए चिंतन मनन का विषय है। जबकि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी पिछले तीन वर्षों से उत्तर प्रदेश में लगातार पार्टी को मजबूत करने में लगी हुई है। उनका पूरा फोकस उत्तर प्रदेश पर ही रहा है। पंजाब में ऐन चुनाव से पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाकर चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाना कांग्रेस के लिये आत्मघाती कदम साबित हुआ। पार्टी द्वारा नियुक्त प्रदेश प्रभारियों का खूब विरोध हो रहा है। अधिकांश प्रभारी ऐसे नेताओं को लगाया गया है जो स्वयं कई चुनाव हार चुके हैं। ऐसे नेता जो खुद चुनाव नहीं जीत सकते वो संगठन को कैसे मजबूत करेंगे। हरियाणा में सिटिंग विधायक रहते विधायक का चुनाव हारने वाले रणदीप सिंह सुरजेवाला के पास पार्टी के कई बड़े पद हैं। विवादों के चलते राजस्थान के प्रभारी महासचिव के पद से हटाये गये अविनाश पांडे को फिर से महासचिव व झारखंड का प्रभारी बना दिया गया हैं। दिल्ली में कांग्रेस का सफाया करने वाले अजय माकन पार्टी के महासचिव व राजस्थान के प्रभारी बने हुये हैं। माकन ही पंजाब में कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष थे जिन पर काफी आरोप लगे हैं। केरल के केसी वेणुगोपाल संगठन महासचिव के रूप में पूरी पार्टी को चला रहे हैं। मौजूदा समय में कांग्रेस पार्टी में बड़े बदलाव की जरूरत है। राजस्थान व छत्तीसगढ़ जहां कांग्रेस की सरकारें चल रही हैं, वहां के मुख्यमंत्रियों के खिलाफ कांग्रेस विधायकों में व्याप्त असंतोष को पार्टी आलाकमान को समय रहते समाप्त करवाना चाहिए।

सोशल मीडिया भी बना रहा है डिप्रेशन का शिकार

– डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

बात भले अजीब लगे पर मनोविज्ञानी भी मानने लगे हैं कि सोशल मीडिया लोगों को तेजी से डिप्रेशन की ओर ले जा रहा है। देश-दुनिया में डिप्रेशन के आगोश में आने वाले लोगों की संख्या दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ती जा रही है। पहली बात तो यह है कि क्या बड़े और क्या बालक और क्या पुरुष और क्या महिलाएं सभी का तेजी से रुझान सोशल मीडिया के किसी ना किसी माध्यम की और हो रहा है। दरअसल सोशल मीडिया अपनी बात कहने का प्लेटफार्म बन गया है तो लोगों को अपनी बात पोस्ट करते ही उस पर रिएक्शन की चाह भी तत्काल होने लगी है। किसी को भी एक क्षण की भी प्रतीक्षा नहीं रहती। ट्वीटर, फेसबुक, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, मैसेंजर, शेयर चेट, कूकू, स्नेप चेट, हाईक, टेलीग्राम, मैसेज, रेडईट और ना जाने कितने ही सोशल मीडिया प्लेटफार्म दुनिया के देशों में चल रहे हैं। इनमें से कुछ केवल और केवल मात्र मनोरंजन के माध्यम है तो कुछ प्लेटफार्म अपना संदेश आसानी से पहुंचाने का प्रमुख माध्यम बन रहा है। सोशल मीडिया के इन प्लेटफार्म के चलते पोस्टकार्ड ही नहीं अपितु अब तो ईमेल भी बेमानी होती जा रही है। ईमेल तो अब केवल दस्तावेजों के आदान-प्रदान का माध्यम बनती जा रही है। हालांकि ईमेल का अपना महत्व आज भी बरकरार है। सोशल मीडिया के कारण ही साधारण मोबाइल फोन का स्थान अब एन्ड्राइड व कैमरा वाले मोबाइल फोन ने ले लिया है। इससे मोबाइल मार्केट में भी तेजी से विस्तार हुआ है तो नेटवर्क प्रदाता कंपनियों की बल्ले बल्ले का कारण भी बन गया है। डेटा देने के नाम पर कंपनियों में प्रतिस्पर्धा भी बढ़ी है तो बाजार में अधिक से अधिक पकड़ के लिए नित नए प्रयोग भी होने लगे हैं। सेल्फी और फोटो के लिए कैमरों की क्वालिटी और मोबाइल में स्टोरेज केपेसिटी को भी ग्राहकों को लुभाने का माध्यम बनाया जा रहा है। सोशल मीडिया के दुरुपयोग के मामले जिस तेजी से सामने आ रहे हैं वह भी एक नई चुनौती बनती जा रही है। पिछले तीन साल में कोरोना ने भी बहुत कुछ बदल कर रख दिया है। स्कूलों के बंद होने से ऑनलाइन पढ़ाई का जो दौर चला है उसके सकारात्मक परिणाम की तुलना में दुष्परिणाम भी सामने आ रहे हैं। दरअसल सोशल मीडिया के बढ़ते प्रयोग के साथ लोगों की सहनशीलता, संवेदनशीलता तेजी से कम होने लगी है। लोगों का धैर्य जवाब देता जा रहा है। दरअसल ज्योंही आपने सोशल मीडिया के किसी भी माध्यम पर कोई पोस्ट अपलोड की दूसरे ही क्षण आप उस पर प्रतिक्रिया को लेकर व्यग्र हो जाते हैं। एक नए तरह का टेंशन दिलो दिमाग में छा जाता है। पहला यह कि जो पोस्ट की है उसे संबंधित व्यक्ति या समूह ने देखा या नहीं, देख लिया तो उसकी प्रतिक्रिया व्यक्त हुई या नहीं। यदि प्रतिक्रिया नकारात्मक है तो अलग तरह की भावना पोस्टकर्ता के मन में आती है तो सकारात्मक रिएक्शन पर अलग तरह की भावना सामने आती है। पर सबसे पहले तो सोशल मीडिया पर पोस्ट करते ही टेंशन का दौर शुरू हो जाता है और इसका अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि बिना समय गंवाए बार-बार यह देखने का प्रयास करते हैं कि कितने लोगों ने देखा, फलां ने अभी तक क्यों नहीं देखा, अमुक ने मेरी पोस्ट को लाइक क्यों नहीं किया। अमुक की प्रतिक्रिया क्यों नहीं आई। खासतौर से जन्मदिन की विश या इसी तरह की पोस्टों पर बार-बार यही देखने की कोशिश की जाती है कि अब तक कितने लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। यहां तक कि फलां व्यक्ति ने फलां की पोस्ट पर तत्काल प्रतिक्रिया दी और मेरी पोस्ट को अनदेखा कर दिया, यह भी तनाव का कारण बन जाता है। सोशल मीडिया को अपने विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम भी बनाया जा रहा है। खासतौर से फेसबुक पेज पर लंबी-लंबी पोस्ट अपलोड होती है और फिर उस पर प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू होता है। यहां तक तो सब ठीक है पर अधिकांश लोग अप्रिय प्रतिक्रियाओं को पचा नहीं पाते और यह व्यक्तिगत द्वेष का कारण बनता जा रहा है। उसके बाद फ्रेंड-अनफ्रेंड करने का दौर शुरू हो जाता है। इसी तरह इंस्टाग्राम या अन्य प्लेटफार्म पर पोस्ट अपलोड करते ही किसने लाइक किया, किसने नहीं- इसका अंतहीन दौर शुरू हो जाता है। यह लगातार तनाव बनाए रखने का कारण बन जाता है। सोशल मीडिया आज के जमाने में एक दूसरे के नजदीक आने का जुड़ाव का बड़ा माध्यम है पर परिणाम इसके उलट ही देखने को मिल रहे हैं। सूचनाओं का आदान प्रदान तो हो रहा है पर यही सूचनाएं आपसी विवाद का कारण भी बनती जा रही है। बल्कि अब तो यहां तक होने लगा है कि सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं के आधार पर रिश्तों का ताना-बाना बुना जाने लगा है। कौन किसके नजदीक है इसका फैसला भी प्रतिक्रियाओं के आधार पर किया जाने लगा है। सोशल मीडिया के कारण जहां दिन रात इससे जुड़े रहने लगे हैं वहीं अनावश्यक तनाव भी बढ़ा रहे हैं। ऐसे में मनोविज्ञानियों के सामने नई चुनौती आने लगी है। लोग तेजी से डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। मानवीय रिश्तों में मिठास के लिए आरंभ सोशल मीडिया खटास का कारण बनता जा रहा है। लगातार मानसिक दबाव के चलते लोग कुंठित और व्यग्र होते जा रहे हैं। रिश्तों का नए सिरे से विश्लेषण होने लगा है। इसे किसी भी तरह से समाज के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा सकता। ऐसे में चिकित्सकों, समाज विज्ञानियों, मनोविश्लेषकों और चिंतकों को समय रहते कोई हल निकालना होगा नहीं तो डिप्रेशन का विस्तार रुकने वाला नहीं है। एक अच्छे उद्देश्य से शुरु सोशल मीडिया प्लेटफार्म अपनी राह भटक चुका है और यही कारण है कि लोगों के दिलोदिमाग पर नकारात्मक असर डालने लगा है। ऐसे में समय रहते समाधान खोजना ही होगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

तप

सद्गुरु

करीब चार सौ साल पहले की बात है। जिला रायगढ़ (मध्य प्रदेश) में बिल्वा नाम का एक आदमी रहता था। ऊंची कदकाठी, गठीले बदन का सजीला व्यक्तित्व। जिंदगी से बहुत प्यार करने वाला बिल्वा यह तो जानता ही नहीं था कि डर किसे कहते हैं। यह किस चिड़िया का नाम है। सपेरों के उस कबीले में उसकी छवि, लीक से हटकर चलने वाले एक अजीब इंसान की थी। शिव का भक्त बिल्वा स्वभाव से ही विद्रोही था, जाहिर है कि हमेशा से समाज के कायदे-कानून को तोड़ने वाला। वह चलता तो इतने गर्व से था, मानो यह धरती उसे विरासत में ही मिली हो। वह एक ऐसा व्यक्ति था जो सामाजिक ढांचे में फिट नहीं बैठता था और उसे लोग एक विद्रोही के रूप में देखते थे। उसने कई विद्रोहपूर्ण कार्य भी किए, उनमें से एक यह था कि उस समय में प्रचलित कड़े जाति-भेद के नियमों की उसने कतई परवाह नहीं की। इस कारण बहुत कम उम्र में ही उसे मौत दे दी गई। बिल्वा को एक पेड़ से बांध कर उस पर उसी का एक भयंकर जहरीला सांप छोड़ दिया गया। इस तरह उसे जहरीले सांप से कटवाया गया। सांप का जहर उसकी रग-रग में फैलने लगा और उसका खून जमने लगा। दर्द बढ़ता जा रहा था। उसके फेफड़े सिकुड़ने लगे थे। उसने मन ही मन तय किया कि इन जालिमों को अपनी भयानक मौत का तमाशा देखकर खुश नहीं होने देगा। उसने अपनी सांसों पर नजर रखना शुरू कर दिया। सांसें भारी होने लगीं, मगर वह सिर्फ उन्हीं पर ध्यान देता रहा, जब तक कि उसकी सांसें थम न गईं। उसने पूरी जागरूकता में शरीर छोड़ा। वह अपने जीवन-काल में सिर्फ एक भक्त था, उसने कभी कोई आध्यात्मिक साधना नहीं की थी। लेकिन अपने अंतिम समय में उसने जिस तरह से अपनी सांसों पर अपना ध्यान केंद्रित किया और जिस तरह से पूरी जागरूकता में उसने अपना शरीर छोड़ा, उसने उसका भविष्य कई तरह से बदल दिया। यही जागरूकता बिल्वा को अगले जन्म में अध्यात्म की गहरी खोज करने वाले इंसान के रूप में वापस ले आई। वह एक शिवयोगी थे। उनका जीवन बहुत ही तकलीफदेह था। कहना होगा कि दिल दहलाने वाले तप का जीवन था। शिवयोगी ने कठोर तप से योग में असाधारण दक्षता हासिल की।

सू-दोकू नवताल -2075

	4				5		2	
6	1			2			9	8
			9			4		
	7	8			6		5	3
				7				
9	6		5			1	4	
		7			8			
3	5			4			8	9
	2		3				1	

सू-दोकू -2074 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2075

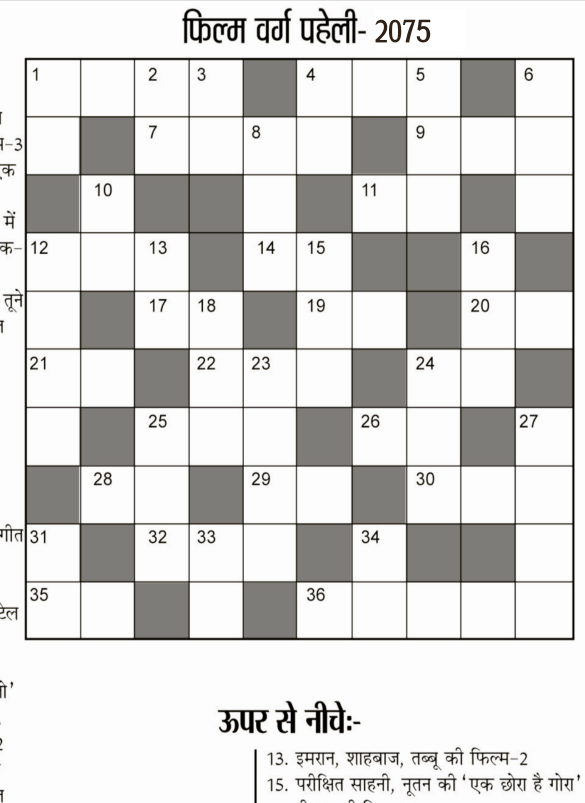

बायें से दायें:-

1. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-4
4. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-3
7. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-4
9. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-3
11. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-2
12. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-3
14. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-2
17. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-2
19. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-2
20. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-2
21. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-2
22. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-3
24. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-2
25. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-3
26. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-2
28. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-2
29. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-2
30. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
32. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-3
35. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-2
36. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-5

ऊपर से नीचे:-

1. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-2
2. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-2
3. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-2
4. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-2
5. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-3
6. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-3
8. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-3
10. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी ?-2
12. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-4
13. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-2
15. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-3
16. आफताब, लिसा रे की फिल्म-3
18. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-3
23. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-4
24. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-3
25. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-3
27. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-4
31. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-2
33. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-2
34. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2074

बे	व	फा		ब		प्रे	म	रो	ग
खु		य	ल	गा	र		हा		ब
दी	वा	र		व		आ	न	बा	न
	दा		श	त	रं	ज		जी	
स		श	क्ति		ग		जं	ग	ली
हे	मा		मा	या		सा	ग	र	
ली		शा	न		का	ज	ल		स
	स	र		जु	नू	न		फू	ल
शा	न	दा	र		न		शू		मा
	म		वि	द्या		ब	ल	वा	न

कच्चे तेल की ऊंची कीमत के लिए हमारी जिम्मेदारी नहीं : सऊदी अरब

दुबई ।

कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) के बड़े निर्यातकों में शामिल सऊदी अरब ने कहा कि वह यमन के हूती विद्रोहियों के हमलों के बाद उत्पादन प्रभावित होने की वजह से वैश्विक तेल आपूर्ति में कमी की 'कोई जिम्मेदारी नहीं लेगा।' आमतौर पर नपे-तुले बयान देने वाले सऊदी अरब ने असामान्य रूप से कठोर चेतावनी दी है, क्योंकि अधिकारियों को पता है कि उनकी छोटी-छोटी टिप्पणियां भी तेल की कीमत को प्रभावित कर सकती हैं और वैश्विक बाजार में हलचल मचा सकती हैं। हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के तेल केंद्रों पर हमले किए हैं, जिससे युद्ध के और तेज होने की आशंका बढ़ गई है, जो 2014 में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों द्वारा यमन की राजधानी सना और उत्तरी हिस्सों पर कब्जा करने के बाद शुरू हुआ था। सऊदी अरब और उसके सहयोगियों ने हूति विद्रोहियों को हटाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को बहाल करने के लिए भीषण हवाई हमलों के साथ इस कार्रवाई का जवाब दिया। सात साल बाद यह संघर्ष एक खूनी गतिरोध में बदल गया और दुनिया में सबसे बड़े मानवीय संकट में से एक को जन्म दिया। सरकारी 'सऊदी प्रेस एजेंसी' ने सऊदी विदेश मंत्रालय के हवाले से कहा कि देश 'यह घोषणा करता है कि उसके तेल केंद्रों पर हमलों के मद्देनजर वैश्विक बाजार में अगर तेल की आपूर्ति में किसी भी तरह की कमी आती है तो वह इसकी कोई जिम्मेदारी नहीं लेगा।' यह घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब उत्पादन सीमित करने वाले सौदे को लेकर ओपेक और अन्य तेल उत्पादक देशों के साथ सऊदी अरब भी इस तरह की वार्ता कर रहा है।

यूक्रेन संकट: अमेरिका की पाबंदी के बाद रूस में मैकडॉनल्ड्स का विकल्प बनेगा अंकल वान्या

मॉस्को ।

रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस दुनिया के कई देशों के प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। कई देशों ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों की घोषणा की है बल्कि कई बड़ी कंपनियां भी रूस में अपनी सेवाएं बंद कर चुकी हैं। इनमें अमेरिकी कंपनी मैकडॉनल्ड्स भी शामिल है जो अब रूस से दूरी बना चुकी है। लेकिन ऐसा प्रतीत हो रहा है कि रूस देश में मैकडॉनल्ड्स का विकल्प तैयार कर रहा है, जिसका लोगो मैकडॉनल्ड्स की याद दिलाता है। अमेरिकी कंपनी मैकडॉनल्ड्स ने 8 मार्च को घोषणा की थी कि वह यूक्रेन पर हमले के विरोध में रूस में मौजूद अपने 850 आउटलेट्स को बंद करेगा। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस फैसले ने रूसी राजनेताओं को नाराज कर दिया। रशियन स्टेट डूमा के अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोडिन ने पिछले हफ्ते संसद में इस मामले पर अपना संबोधन दिया था। उन्होंने कहा, मैकडॉनल्ड्स ने घोषणा की है कि वे रूस में अपने आउटलेट्स बंद करेंगे... अच्छा है, बंद करें! वोलोडिन ने कहा कि कल मैकडॉनल्ड्स नहीं होगा लेकिन अंकल वान्या होगा। उसी हफ्ते मॉस्को के एक पेटेंट वकील ने अंकल वान्या के लिए एक लोगो के लिए आवेदन किया। वकील ने जिस लोगो के लिए आवेदन दिया था वह दिखने में मैकडॉनल्ड्स जैसा ही है। फर्क सिर्फ इतना है कि इसमें नीचे अंकल वान्या लिखा हुआ है। प्रसिद्ध रूसी लेखक एंटोन चेखव के 1897 में प्रकाशित एक नाटक का शीर्षक अंकल वान्या था। अभी तक मैकडॉनल्ड्स ने इस संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की है। लेकिन रूस का यह नया लोगो सोशल मीडिया पर जमकर शेयर हो रहा है और यूजर्स इसे मैकडॉनल्ड्स के लोगो की कॉपी बता रहे हैं। यूक्रेन पर हमले के बाद से रूस में करीब 400 व्यवसाय या तो बंद हुए हैं ।

चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल-डीजल समेत घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़े

नई दिल्ली ।

देश में पांच राज्यों में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के खत्म होने के बाद जिस बात की आशंका जताई जा रही थी, वह अंततः सही सिद्ध हो गई। रूस और यूक्रेन के बीच चल रही लड़ाई के चलते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत 2008 के बाद रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थीं। लेकिन इसके कारण कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमत रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। लेकिन देश में उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के कारण पेट्रोल-डीजल की कीमत में दिवाली से कोई बदलाव नहीं हुआ। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत में भारी बढ़ोतरी के कारण तेल विपणन कंपनियों को भारी नुकसान हो रहा था। आखिर आज महंगाई बम फूट गया। पेट्रोल और डीजल के साथ-साथ रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी हो गई। पेट्रोल और डीजल की कीमत में प्रति लीटर 80 पैसे की बढ़ोतरी की गई है जबकि एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। पेट्रोल और डीजल की कीमत में 137 दिनों के बाद बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद मंगलवार से दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 95.41 रुपए से बढ़कर 96.21 रुपये हो गई है जबकि डीजल अब 86.67 रुपये के बजाय 87.47 रुपये प्रति लीटर मिलेगा। इससे पहले दिवाली के दिन यानी चार नवंबर, 2021 को पेट्रोल और डीजल की कीमत में बदलाव हुआ था। तब केंद्र ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती की थी क्योंकि कई शहरों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपये के पार चली गई थी। बढ़ोतरी के बाद मुंबई में डीजल 95.00 रुपये और पेट्रोल 110.82 रुपये पहुंच गया है। इसी तरह कोलकाता में डीजल 90.62 रुपये और पेट्रोल 105.51 रुपये लीटर हो गया है। चेन्नई में एक लीटर डीजल के लिए आपको 92.19 रुपये व पेट्रोल के लिए 102.16 रुपये चुकाने होंगे। डीजल 87.61 रुपये पहुंच गया है।

डोडला डेयरी करेगी कृष्णा मिल्क का अधिग्रहण, 50 करोड़ रुपये में हुई डील

मुंबई ।

हैदराबाद मुख्यालय वाली डोडला डेयरी लिमिटेड ने कर्नाटक की श्री कृष्णा मिल्क्स प्राइवेट लिमिटेड का 50 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करने की घोषणा की है। अधिग्रहण का मकसद डोडला डेयरी का विस्तार करना है। देशभर की कई डेयरी कंपनियों ने पिछले एक-डेढ़ महीने में दूध के दामों में बढ़ोतरी की है। इन्हीं के बीच दक्षिण भारत के डेयरी क्षेत्र से अधिग्रहण की खबर आई है। डेयरी सेक्टर में अधिग्रहण को एक बड़ा कदम माना जा रहा है। डोडला डेयरी ने कहा है, कि उसने श्री कृष्णा मिल्क्स के बिजनेस का स्लंप परचेज बेसिस पर अधिग्रहण करने के लिए बिजनेस ट्रांसफर एग्रीमेंट किया है। यह डील कैश में होगी। अधिग्रहण के दो महीने में पूरा होने की उम्मीद है। रोजाना दूध खरीदने के मामले में डोडला डेयरी निजी क्षेत्र की तीसरी सबसे बड़ी कंपनी है। दूध, दही, घी, पनीर के अलावा कंपनी बटर मिल्क, फ्लेवर्ड मिल्क, दूध पेड़ा, आईसक्रीम और दूध से बनी मिठाइयां भी बनाकर बेचती है। डोडला डेयरी ने आईपीओ की लॉन्चिंग के 10 माह के भीतर ये डील की है। आईपीओ की लॉन्चिंग के 10 माह के भीतर ये डील की है। आईपीओ की लॉन्चिंग के 10 माह के भीतर ये डील की है। बता दें कि डोडला डेयरी का आईपीओ साल 2021 के जून महीने में लांच हुआ था। इसके जरिये कंपनी ने 520 करोड़ रुपये जुटाए थे। डोडला डेयरी के आईपीओ को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। कंपनी ने आईपीओ का इश्यू प्राइस 428 रुपये रखा था, जबकि लिस्टिंग के दिन इसका शेयर 609 रुपये पर पहुंच गया था। वर्तमान में भी शेयर अपने इश्यू प्राइस से ज्यादा पर कारोबार कर रहा है। अधिग्रहण के ऐलान के साथ ही डोडला डेयरी लिमिटेड का शेयर सोमवार को 20 प्रतिशत चढ़ गया। बीएसई में कंपनी का शेयर 19.23 फीसदी की बढ़त के साथ 548 रुपये पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में 19.99 प्रतिशत चढ़कर 548.45 रुपये पर आ गया।

संक्षिप्त समाचार

संसदीय समिति ने एमटीएनएल के कर्ज और संपत्ति को अलग करने बीएसएनएल के विलय की अनुशंसा की

नई दिल्ली । संसद की एक समिति ने दूरसंचार विभाग को एमटीएनएल के 26,500 करोड़ रुपये से अधिक के कर्ज और संपत्तियों को अलग कर विशेष-उद्देश्य वाली इकाई में रखने तथा फिर उसके परिचालन का बीएसएनएल में विलय करने की अनुशंसा की है। लोकसभा सदस्य शशि थरूर की अध्यक्षता वाली संचार और सूचना प्रौद्योगिकी पर गठित संसद की स्थायी समिति ने कहा कि बीएसएनएल राजस्व कमाने के लिए कोशिश कर रही है और कंपनी को लेकर उम्मीद बनी हुई है। समिति ने यह भी सिफारिश की है कि घाटे में चल रही इस सार्वजनिक कंपनी को 5जी सेवाएं शुरू करने के लिये देश में निजी दूरसंचार कंपनियों के समान स्पेक्ट्रम आवंटित किये जाने चाहिए। बीएसएनएल और एमटीएनएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक पीके पुरवार ने समिति के समक्ष अपने प्रतिवेदन में कहा है कि बीएसएनएल 2025-26 तक लाभ में आ जाएगी। वहीं एमटीएनएल का बाजार में टिके रहना संभव नहीं है क्योंकि उसके ऊपर 26,000 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज है जबकि राजस्व 1,300 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'समिति सिफारिश करती है कि विभाग विभिन्न विकल्पों पर विचार करे जिसमें एयर इंडिया की तरह कर्ज और संपत्ति को अलग करना तथा परिचालन का विलय बीएसएनएल के साथ किया जाना शामिल है जैसा कि बीएसएनएल और एमटीएनएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक ने सुझाव दिये हैं।'

जोमैटो की तत्काल सेवा जल्द, 10 मिनट में होगी डिलिवरी

नई दिल्ली । भूख लगने के बाद खाने की तलब में प्रतीक्षा बरदास्त न कर पाने के लिए खाने-पीने के सामान की ऑनलाइन डिलिवरी सुविधा उपलब्ध कराने वाले कंपनी जोमैटो ने महज 10 मिनट में ही तत्काल डिलिवरी सेवा शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी के संस्थापक दीपेंद्र गोयल ने सोमवार को एक ब्लॉगपोस्ट में यह जानकारी दी। हालांकि गोयल ने कहा कि कंपनी इसके लिए अपने डिलिवरी भागीदारों पर किसी तरह का दबाव नहीं डालेगी। कंपनी इस लक्ष्य को अपने नेटवर्क के जरिये हासिल करेगी। उन्होंने कहा, आज ग्राहक अपनी जरूरतों का तेजी से जवाब चाहते हैं। वे न तो योजना बनाना चाहते है और न ही इंतजार करना चाहते हैं। वास्तव में जोमैटो ऐप पर कम समय में डिलिवरी करने वाले रेस्तरांओं को छांटना सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला फीचर है।

ऊर्जा कीमतों में उछाल के चलते 'फिच' ने भारत के विकास के अनुमान को घटाकर 8.5 फीसदी किया

नई दिल्ली । रूस-यक्रेन जंग के चलते ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी के बाद रेटिंग एजेंसी 'फिच' ने अगले वित्त वर्ष के लिए भारत के विकास के अनुमान को 10.3 प्रतिशत से घटाकर 8.5 प्रतिशत कर दिया है। एजेंसी ने कहा कि कोरोना वायरस के 'ओमीक्रोन' स्वरूप के प्रकोप में कमी आने के बाद से प्रतिबंधों में ढील दी गई है, जिससे इस साल जून की तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि में तेजी लाने के लिए मंच तैयार हुआ है। एजेंसी ने चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी विकास के अनुमान को 0.6 प्रतिशत बढ़ाकर वर्ष के लिए जीडीपी विकास के अनुमान को 0.6 प्रतिशत बढ़ाकर 8.7 प्रतिशत कर दिया है। 'फिच' ने कहा, 'हालांकि, हमने भारत के लिए वित्त वर्ष 2022-2023 में अपने विकास पूर्वानुमान को तेजी से बढ़ती ऊर्जा कीमतों के कारण घटाकर 8.5 प्रतिशत (-1.8 फीसदी की कमी के साथ) कर दिया है।'

कोयले की आपूर्ति में कमी को लेकर एल्युमीनियम विनिर्माताओं की पीएम से की दखल देने की अपील

नई दिल्ली । भारतीय एल्युमीनियम संघ (एएआई) ने कोयले की आपूर्ति में कमी के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दखल देने की मांग की है। संघ ने कहा है कि सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला खनन कंपनी ने गैर-बिजली क्षेत्र को सड़क और रैक से कोयले की आपूर्ति और घटाने का फैसला किया है। पत्र में कहा गया है कि कोल इंडिया लि. ने बिना किसी अग्रिम नोटिस के सड़क औरी रैक के जरिए गैर-बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति में कटौती का फैसला किया है। एएआई ने कहा कि पिछले सात माह से जो कोयला संकट चल रहा था वह कम से कम बिजली क्षेत्र के लिए समाप्त होता दिख रहा है। बिजली संयंत्रों के पास अब कोयले का 9-10 दिन का भंडार है। अगस्त-सितंबर में यह तीन-चार दिन का रह गया था। पत्र में कहा गया है कि वहीं यह कदम बिजली उत्पादन के लिए कोयले पर निर्भर कई बड़े उद्योगों मसलन इस्पात, एल्युमीनियम और उर्वरक के लिए काफी परेशान करने वाला साबित हो रहा है। एसोसिएशन ने कहा कि गैर-बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति 3.6 लाख टन प्रतिदिन से घटाकर 2.75 लाख टन प्रतिदिन कर दी गई है। इससे मांग-आपूर्ति की स्थिति और खराब होगी और उद्योग के लिए संकट बढ़ेगा।

अपकमिंग ऑल्टो में देखने को मिलेंगे कई प्रीमियम फीचर्स

नई दिल्ली ।

अपकमिंग ऑल्टो में कई प्रीमियम फीचर्स देखने को मिलेंगे, जो कि स्विफ्ट और बलेनो जैसी कारों में है। आज हम आपको नई मारुति ऑल्टो के लॉन्च डेट से लेकर संभावित लुक-फीचर्स और प्राइस से जुड़ी जानकारी देने वाले हैं। लीक इमेज और मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो 2022 मारुति ऑल्टो को 6 नए कलर ऑप्शंस के साथ पेश किया जाएगा। इसे मारुति सुजुकी के हार्टेक्ट प्लेटफॉर्म पर डिवेलप किया जाएगा, जिससे यह पहले वाले मॉडल से ज्यादा मजबूत और कंफर्टेबल होगी। नेक्स्ट जेनरेशन मारुति ऑल्टो मौजूदा मॉडल से ज्यादा बड़ी और स्पेसियस भी होगी, जिससे लोगों को स्विफ्ट और वैगनआर वाला आराम नई ऑल्टो में भी मिलेगा। नई ऑल्टो इस साल की तीसरी या चौथी तिमाही में फेस्टिवल सीजन के दौरान लॉन्च की जा सकती है ।

जिसके बारे में आने वाले दिनों में आधिकारिक जानकारी आ जाएगी। इंजन और पावर की बात करें तो इसमें 796 सीसी का नेचरली एस्पिरेटेड 3 सिलिंडर पेट्रोल इंजन देखने को मिलेगा, जो ज्यादा पावर और टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा। नई मारुति ऑल्टो को 5 स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ ही ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन ऑप्शन में भी पेश किया जा सकता है। इन सबसे इतर जो खास और प्रीमियम फीचर्स नई ऑल्टो में देखने को मिल सकते हैं, वे हैं- बड़ा टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, कीलेस एंट्री, मल्टी-फंक्शनल स्टीयरिंग व्हील्ज और डुअल एयरबैग्स। नई ऑल्टो देखने में भी काफी शानदार होगी, जिसमें नई ग्रिल और बंपर समेत कई खास एक्सटीरियर फीचर्स के साथ ही नया डैशबोर्ड और नए इंटीरियर फीचर्स देखने को मिल सकते हैं। देखने को मिल सकते हैं। नई ऑल्टो को 4 लाख रुपये तक की शुरुआती कीमत में लॉन्च किया जा सकता है। मालूम हो कि भारत में मारुति सुजुकी की सबसे सस्ती कार मारुति ऑल्टो के नेक्स्ट जेनरेशन मॉडल का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पिछले कुछ महीनों से नई ऑल्टो की टेस्टिंग भी हो रही है और फिर धीरे-धीरे 2022 मारुति ऑल्टो के लुक और फीचर्स के साथ ही ढेर सारी जानकारी सामने आ रही है।

कार शौकीनों की पहली पसंद बनी मारुति बलेनो, ढेड़ महीने में 50,000 के पार पहुंची बुकिंग

नई दिल्ली ।

भारत की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी आम लोगों की पहली पसंद बनी हुई है। कंपनी कम बजट में अच्छे फीचर्स वाली कारों के लिए जानी जाती है। मारुति सुजुकी की बलेनो की बात करें, तो इसको ग्राहकों से जबरदस्त रिस्पांस मिला है। पिछले महीने इस कंपनी ने देश में अपडेटेड बलेनो प्रीमियम हैचबैक लॉन्च की थी। इस कार की कीमत 6.35 लाख रुपये से शुरू होकर 9.49 लाख रुपये तक जाती है। कंपनी ने बताया है उसकी बलेनो कार को 50 हजार से अधिक बुकिंग्स मिल चुकी हैं। दरअसल मारुति की यह नई बलेनो कार सब्सक्रिप्शन प्लान के साथ भी आती है। इसके चलते भी अधिक से अधिक लोग इस कार के लिए बुकिंग करा रहे हैं। मारुति सुजुकी के शेयर की बात करें, तो मंगलवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी का शेयर 2 फीसद या 154.45 अंक की गिरावट के साथ 7549.05 रुपये पर ट्रेड करता दिखाई दिया। मारुति की इस नई बलेनो कार की प्री लॉन्च बुकिंग 8 फरवरी को शुरू हुई थी। कंपनी को प्री लॉन्च बुकिंग से सिर्फ 16 दिनों के भीतर ही 25,000 से अधिक बुकिंग मिल गई थी। कीमत की बात करें तो मारूति बलेनो के सिग्मा वैरिएंट की एक्स शोरूम कीमत (एमटी) 6.35 लाख रुपये, डेल्टा वैरिएंट की 7.19 लाख रुपये, जेटा वैरिएंट की 8.09 लाख रुपये और अल्फा वैरिएंट की 8.99 लाख रुपये है। नई 2022 मारुति बलेनो हैचबैक कार सब्सक्रिप्शन प्लान के साथ भी मिल रही है। यह सब्सक्रिप्शन प्लान 13,999 रुपये से शुरू है। मारुति के इस सब्सक्रिप्शन प्लान में गाड़ी का रजिस्ट्रेशन, मेंटेनेंस, इंश्योरेंस और रोड साइड असिस्टेंस भी शामिल है। मारुति सुजुकी का मुनाफा मौजूदा वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में घटा है। वित्त वर्ष 2021-22 की दिसंबर तिमाही में कंपनी के मुनाफे में 48 फीसद की कमी आई है। अक्टूबर से दिसंबर 2021 की अवधि में कंपनी का मुनाफा 1042 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का मुनाफा 1997 करोड़ रुपये रहा था। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनी का राजस्व 23,253 करोड़ रुपये रहा है। दूसरी तिमाही में कंपनी का राजस्व 20,551 करोड़ रुपये रहा था। इस तरह कंपनी के राजस्व में करीब एक फीसद की गिरावट आई है। पिछले साल ऑटोमोबाइल सेक्टर को सेमीकंडक्टर की भारी किल्लत से जूझना पड़ा था। इससे कंपनियों के उत्पादन और बिक्री पर काफी असर पड़ा।

नई एमपीवी स्टारगेजर होगी जल्द लॉन्च

नई दिल्ली । जानी-मानी कंपनी ह्यूंदै मोटर्स कुछ महीनों के दौरान नई एमपीवी स्टारगेजर भी लॉन्च कर सकती है। इस साल स्टारगेजर को अनवील किया जा सकता है। ह्यूंदै स्टारगेजर एमपीवी सेगमेंट की बेस्ट सेलिंग मारुति सुजुकी अर्टिगा, मारुति एक्सएल6 के साथ ही नई किआ कारेन्स और महिंद्रा एक्सयूवी700 जैसी पॉपुलर एसयूवी और एमपीवी को टक्कर देगी। काफी समय से चर्चा है कि ह्यूंदै मोटर इंडिया मार्केट में नई कार स्टारगेजर लाएगी, जो तीन कतारों वाली एमपीवी है। इसे साउथ कोरिया और इंडोनेशियाई मार्केट में कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। इसे किआ कारेन्स वाले प्लैटफॉर्म एपी2 पर ही डिवेलप किया गया है और इसी पर ह्यूंदै क्रेटा और अल्कजार जैसी एसयूवी भी बेस्ड है। यह एमपीवी 4.15 मीटर की होगी और इसका व्हीलबेस 2,780 एमएम का होगा। लीक इमेज के मुताबिक ह्यूंदै स्टारगेजर में स्प्लिट हेडलैंप, एलईडी डीआरएल और स्लॉपिंग रूफलाइन के साथ ही नई ग्रिल और शार्क फिन एंटिना देखने को मिलेंगे। अपकमिंग ह्यूंदै स्टारगेजर के संभावित इंजन, पावर की बात करें तो इसमें 1.5 लीटर 4 सिलिंडर नेचरली एस्पिरेटिड पेट्रोल इंजन देखने को मिलेगा, जो कि 113 बीएचपी की पावर और 145 एनएम टॉर्क जेनरेट कर सकेगा। स्टारगेजर में 6 स्पीड मैनुअल के साथ ही सीवीटी ऑटोमैटिक गियरबॉक्स देखने को मिल सकता है। स्टारगेजर में 1.5 लीटर टर्बो डीजल इंजन भी देखने को मिल सकता है, जो कि 113 बीएचपी की पावर और 250 न्यूटर मीटर टॉर्क जेनरेट कर सकेगा। वहीं, संभावित फीचर्स की बात करें तो ह्यूंदै स्टारगेर में ब्लूलिंक और अडवांस ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम के साथ ही बड़ा टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम समेत कई स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स देखने को मिलेंगे।

कारोबार समेट कर जाने वाली कंपनियों की संपत्ति जब्त करेगा रूस, चक्कर में फंसी लीज पर विमान देने वाली कंपनियां

लंदन ।

यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध के सोमवार को 26 दिन हो गए हैं। अभी भी दोनों देशों के बीच शांति कायम होती नहीं दिख रही है। पश्चिमी देशों ने रूस पर कई कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। कड़े प्रतिबंधों की वजह से रूस की अर्थव्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित हुई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने एक प्रस्ताव को मंजूरी दी है, जिससे पश्चिमी कंपनियों को भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है। इस प्रस्ताव के मुताबिक, रूस उन कंपनियों की संपत्तियां जब्त करने का निर्णय लिया है, जो रूस से कारोबार को समेट कर जा रही हैं। रूस के पास 500 से ज्यादा विमान हैं जो एक विदेश कंपनी से लीज पर लिए गए हैं। इन्हें लीज पर ऑपरेट किया जा रहा है। विमान के लीज पर देने वाली कंपनियों को रूस पर लगे कड़े प्रतिबंधों से 12 से 15 बिलियन डॉलर तक का नुकसान झेलना पड़ जाएगा। आयरलैंड की विमान कंपनी एयरकेप को बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है। इस कंपनी के 1000 से भी ज्यादा विमान लगभग 80 देशों में लीज पर चल रहे हैं जिसमें से 150 विमान रूस को लीज पर दिए गए हैं। कंसल्टेंसी फर्म एसीसी एविएशन के आंकड़ों के मुताबिक, इस कंपनी को 2.5 बलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। नुकसान हुआ है। वहीं एयरकेप की वेसबाइट के मुताबिक, एरोलोफ्ट, एस7 एयरलाइन, रोसिया, अजुर एयर, युरल एयरलाइंस जैसी रूस की विमान कंपनियां एयरकेप की क्लाइंट हैं। रूस पर यूरोपीय यूनियन के बैन के बाद एयर विमान कंपनी एयरकेप ने रूस की विमान कंपनियों के साथ अपना कांट्रैक्ट भी खत्म करने का ऐलान किया हैं। आयरलैंड की एक अन्य कंपनी एसएमबीसी के भी कई विमान रूस में लीज पर हैं। जानकारी के लिए बता दें कि, रूस के पास अभी 980 एयरक्राफ्ट सर्विस में हैं। इनमें से लगभग 777 विमान लीज पर हैं और 515 विमान विदेशी कंपनियों के हैं।

सोने , चांदी की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी दोनों की ही कीमतों में तेजी आई है। एमसीएक्स पर अप्रैल की डिलीवरी वाला सोना मंगलवार सुबह 0.29 फीसदी करीब 151 रुपये की बढ़त के साथ ही 51,806 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसके अलावा जून की डिलीवरी वाला सोना इस समय 0.39 फीसदी तकरीबन 202 रुपये की तेजी के साथ ही 52,152 रुपये प्रति 10 ग्राम पर नजर आया। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर भी शुरुआती कारोबार में सोने की वायदा और हाजिर दोनों कीमतें बढ़ीं हैं। दूसरी ओर, चांदी की घरेलू वायदा कीमतों में भी शुरुआती कारोबार में बढ़त आई है। इसके अलावा कच्चे तेल के दाम में भी उछाल आया है। सोने के साथ ही चांदी की वायदा कीमतों में भी शुरुआती कारोबार में बढ़त रही। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में 5 मई 2022 की डिलीवरी वाली चांदी की कीमत 0.70 फीसद या 478 रुपये की तेजी के साथ 68,827 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती दिखाई दी। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी शुरुआती कारोबार में सोने और चांदी के वायदा व हाजिर दोनों भाव बढ़त के साथ कारोबबर करते दिखाई दिए। इसके अलावा क्रूड ऑयल (कच्चे तेल) की कीमतें भी बढ़ी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लील, आरोन और रिकार्डो ब्लांको फुटबॉल विश्व कप क्वालीफायर मुकाबलों से बाहर हुए

वाशिंगटन । कोस्टारिका ने मिडफील्डर रैंडल लील और आरोन सुआरेज को डिफेंडर रिकार्डो ब्लांको के साथ ही अंतिम तीन फुटबॉल विश्व कप क्वालीफायर मैच के लिए टीम से बाहर कर दिया है। कोच लुई फर्नांडो सुआरेज ने 27 सदस्यीय टीम में डिफेंडर इयान लारेंस और कार्लोस मार्टिनेज के अलावा मिडफील्डर ब्रैंडन एगुलेरिया और कालोर्स मोरा और फारवर्ड एंथोनी कोंट्रेरास को भी शामिल किया है। गौरतलब है कि कोस्टारिका लगातार तीसरे विश्व कप में पहुंचने की कोशिश कर रहा है। उसका सामना पहले मुकाबले में गुरूवार को कनाडा से जबकि तीन दिन बाद एल साल्वाडोर और फिर 30 मार्च को अमेरिका से होगा। कनाडा 25 अंक लेकर शीर्ष पर है जिसके बाद दूसरे स्थान पर अमेरिका है। उसके 21 अंक हैं। वहीं मेक्सिको के भी इतने अंक हैं पर वह गोल अंतर से तीसरे स्थान पर खिसक गया है। वहीं पनामा 17 अंक से चौथे और कोस्टारिका 16 अंक लेकर पांचवें स्थान पर आया है। गौरतल है कि शीर्ष तीन देशों को कतर में होने वाले विश्व कप के लिए जगह मिलेगी जबकि चौथे स्थान की टीम को जून में ओसनिया चैम्पियन से एक प्लेऑफ खेलना होगा।

आईसीसी महिला विश्व कप : लैनिंग के शतक से ऑस्ट्रेलिया ने लगातार छठा मुकाबला जीता

वेलिंगटन ।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आईसीसी महिला विश्व कप में अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा है। मेग लैनिंग के शानदार शतक से ऑस्ट्रेलिया ने अपने छठे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को पांच विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए 272 रनों का लक्ष्य दिया। जिसे ऑस्ट्रेलिया ने लैनिंग के नाबाद 135 रनों की सहायता से 45.2 ओवर में ही 5 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम की सेमीफाइनल में जगह तय हो गयी है। उसके इस मुकाबले जीत से 6 मैचों में 12 अंक हो गए हैं। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका इस विश्व कप में पहली बार हारी है। अब दक्षिण अफ्रीका की टीम 5 मैचों से 8 अंक के साथ ही दूसरे नंबर पर है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने सलामी बल्लेबाज लॉरा वॉल्वार्ट और कप्तान सुन लुस की अर्धशतकीय पारी की सहायता से 5 विकेट पर 271 रन बनाए। वॉल्वार्ट ने 134 गेंदों पर 90 रन की पारी खेली जबकि लुस ने 51 गेंदों पर 52 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मेगन शट, जोनासेन, गार्डनर, सदरलैंड और अलाना किंग ने एक एक विकेट लिया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की भी शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 45 रनों पर ही अपने शुरुआती विकेट खो दिये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की भी शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 45 रनों पर ही अपने शुरुआती विकेट खो दिये। इसके बाद मेग लैनिंग ने अन्य बल्लेबाजों के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। लैनिंग 130 गेंदों पर 135 रन बनाकर नाबाद रहीं। लैनिंग और बेथ मूनी के बीच तीसरे विकेट के लिए 60 रन जबकि तहिलिया मैक्ग्रा और लैनिंग के बीच चौथे विकेट के लिए 93 रनों की साझेदारी हुई। मैक्ग्रा लैनिंग और एश्ले गार्डनर के बीच 43 रन की साझेदारी हुई वहीं सदरलैंड के साथ मैक्ग्रा लैनिंग और एश्ले गार्डनर के बीच 43 रन की साझेदारी हुई वहीं सदरलैंड के साथ पांचवें विकेट के लिए दोनों ने नाबाद 31 रन बनाये।

विदेशी दौरों पर भी नहीं घरेलू मैदान पर भी करें साकिब का उपयोग : नासिर

लंदन ।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा है कि तेज गेंदबाज साकिब महमूद का इस्तेमाल विदेशी दौरों पर भी नहीं बल्कि घरेलू मैदान पर भी करना चाहिये। साकिब ने ब्रिजटाउन (बारबाडोस) में वेस्टइंडीज के खिलाफ ड्रॉ हुए दूसरे टेस्ट में पदार्पण करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। महमूद ने हर पारी में दो विकेट लिए। पूर्व कप्तान के अनुसार साकिब को घरेलू मैदानों पर अधिक एक्सपोजर की जरूरत है। उन्हें केवल विदेशी हालातों में इस्तेमाल होने वाले गेंदबाज के तौर पर ही नहीं देखा जाना चाहिए। उसके पास पुरानी गेंद और स्लिंग एक्शन के साथ कौशल है इसलिए वह विशेधी धरती पर ज्यादा सफल है। उन्होंने कहा कि जैसा कि हमने देखा (दूसरे टेस्ट में), वह नई गेंद के साथ भी काम कर रहा है। मैंने देखा कि वह एक पारंपरिक सीमर के रूप में कितना कुशल है। उसने गेंद को पिच किया, सही दूरी तक स्विंग कराया और एक भारी गेंद फेंकी। हुसैन ने महसूस किया कि तेज गेंदबाज विदेशी हालातों में उपयोगी साबित हो सकता है पर उसे सीमित रखने से नुकसान ही होगा। उन्होंने कहा कि महमूद में विभिन्न रूपों और अलग-अलग हालातों में सफल होने के सभी

गुण हैं। उन्होंने कहा कि हमने इस सप्ताह जो देखा है वह यह है कि वह निश्चित रूप से टेस्ट क्रिकेट के लिए काफी तेज है। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि यह गेंदबाज के लिए अच्छा डेब्यू था। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह पहली पारी में नो-बॉल पर अपने विकेट से निराश होगा पर उसने दिखाया है कि वह ऐसा व्यक्ति है जिसपर टीम को भरोसा दिखाना चाहिए।

वेस्टइंडीज ने तीसरे टेस्ट के लिए टीम में नहीं किया कोई बदलाव

ग्रेनेडा । वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ 24 मार्च से यहां होने वाले तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। इस सीरीज के पहले दोनो टेस्ट ड्रॉ रहे थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने अपने खिलाड़ियों के अब तक के प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा है कि इसी कारण टीम में बदलाव नहीं किया गया। ऑलराउंडर काइल मेयर्स और अनकैप्ड तेज गेंदबाज एंडरसन फिलिप भी 13 सदस्यीय दल में बने हुए हैं। इंडीज टीम के मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने कहा, हमने बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है। हमने उसी टीम के साथ बने रहने का फैसला किया और चाहते हैं कि यह टीम तीसरे टेस्ट मैच में भी खेले। हेन्स ने पिछले मैच में शानदार शतक लगाकर टीम को हार से बचाने वाले कप्तान क्रेग ब्रैथवेट की भी जमकर तारीफ की। हेन्स ने साथ ही कहा, हम कप्तान क्रेग ब्रैथवेट की दोनो पारियों में बल्लेबाजी के साथ ही कप्तानी के तरीके से भी उत्साहित हैं। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम भी तीसरे टेस्ट में जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। हाल ही में टेस्ट मैचों में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उसे एशेज सीरीज में 0-4 से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में कप्तान जो रूट की टीम तीसरे टेस्ट में जीत हासिल करना चाहेगी। इसके अलावा इंग्लैंड ने साल 2004 के बाद से ही कैरेबियन द्वीप समूह में कोई टेस्ट श्रृंखला नहीं जीती है , ऐसे में वेस्टइंडीज टीम अपने अजेय रिकॉर्ड को बनाये रखने में कोई कसर नहीं रखना चाहेगी।

मैत्री फुटबॉल मैचों के लिए भारतीय दल में सात नये खिलाड़ी शामिल

नई दिल्ली ।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने इस महीने के अंत में बहरीन और बेलारूस के खिलाफ होने वाले अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैत्री मैचों के लिये सात नये खिलाड़ियों को 25 सदस्यीय टीम में शामिल किया है। भारतीय राष्ट्रीय पुरुष टीम के कोच इगोर स्टिमक ने कहा है कि बहरीन में 23 और 26 मार्च को खेले जाने वाले दो मैचों के लिये प्रभशुखान गिल, होर्मिपम रुइवा, अनवर अली, रोशन सिंह, वीपी सुहैर, दानिश फारूक और अनिकेत यादव के रूप में नये चेहरों को टीम में शामिल किया है। स्टिमक ने कहा, ''हम बहरीन और बेलारूस से खेलेंगे जो हमसे बेहतर रैंकिंग वाली टीम हैं हालांकि टीम इन मुकाबलों के लिए तैयार है। बहरीन में होने वाले इन मैचों से ही पता चलेगा कि हम किस हाल में हैं।''उन्होंने कहा, ''हम कुछ युवा खिलाड़ियों को अवसर देंगे, जिन्होंने इस सत्र में आईएसएल (इंडियन सुपर लीग) में अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे हमें यह पता चल सके कि हम जून में क्वालीफायर के लिए उनका कितना उपयोग कर सकते हैं।'' ये मैत्री मैच एएफसी एशियाई कप चीन 2023 के आठ जून से कोलकाता में होने वाले क्वालीफाइंग मैचों के अंतिम

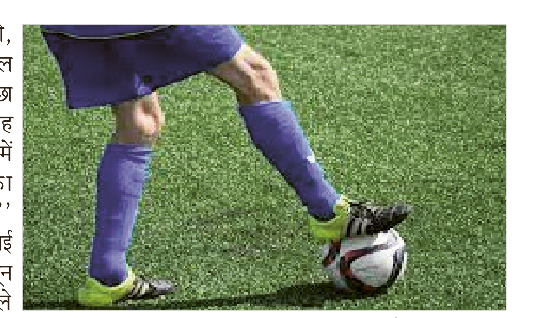

दौर के लिये टीम की तैयारी का ही हिस्सा भर हैं।

क्वालीफाईंग दौर के लिये भारत को हांगकांग, अफगानिस्तान और कंबोडिया के साथ ग्रुप डी में रखा गया है। बहरीन और बेलारूस के खिलाफ मैत्री मैचों के लिये भारत की 25 सदस्यीय टीम इस प्रकार है । गोलकीपर : गुरप्रीत सिंह संधू, अमरिंदर सिंह, प्रभासुखन गिल। रक्षापंक्ति : प्रीतम कोटल, सेरीटन फर्नांडीस, राहुल भेके, होर्मिपम रुइवा, संदेश झिंगन, अनवर अली, चिंगलेनसाना सिंह, सुभाशीष बोस, आकाश मिश्रा, रोशन सिंह। मध्यपंक्ति : बिपिन सिंह, अनिरुद्ध थापा, प्रणय हलदर, जैकसन सिंह, ब्रैंडन फर्नांडीस, वीपी सुहैर, दानिश फारूक, यासिर मोहम्मद, अनिकेत जाधव। अग्रिम पंक्ति : मनवीर सिंह, लिस्टन कोलाको, रहीम अली

संक्षिप्त समाचार

मंधाना पांच हजार रन बनाने वाली तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बनी

हैम्पिलटन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने बांग्लादेश के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप मुकाबले में एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। मंधाना ने इस मैच में 17वां रन लेते ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 5 हजार रन पूरे किये हैं। मंधाना पांच हजार रन का आंकड़ा हासिल करने वाली तीसरी भारतीय क्रिकेटर हैं। इससे पहले कप्तान मिताली राज और ऑलराउंडर हरमनप्रीत कौर ही यहां तक पहुंची थीं। मंधाना ने इस मैच में 51 गेंदों पर 30 रन बनाये। मंधाना के नाम अब 70 एकदिवसीय मैचों में कुल 2717 रन हैं जबकि 4 टेस्ट मैचों में मंधाना के नाम 325 रन हैं। 84 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 1971 रन बनाए हैं।

मिताली के नाम हुआ एक अनचाहा रिकार्ड

हैमिल्टन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज आईसीसी महिला विश्व कप क्रिकेट मुकाबले में अबतक लय में नहीं आयी है। बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में भी मिताली पहली ही गेंद पर शून्य पर ही आउट हो गयी। इसी के साथ मिताली के नाम एक ऐसा रिकार्ड जुड़ गया जिसे वह याद नहीं रखना चाहेंगी। मिताली यहां खेले गए मैच के दौरान विश्व कप में दूसरी बार गोल्डन डक का शिकार हुई हैं। मिताली इससे पहले साल 2017 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी गोल्डन डक का शिकार हुई थी। इस प्रकार वह टूर्नामेंट के इतिहास में 2 बार डोल्डन डक का शिकार होने वाली पहली कप्तान हैं। इसके अलावा वह पहली और एक मात्र भारतीय कप्तान भी हैं जो महिला विश्व कप में डोल्डन डक हुई हैं। इससे पहले मिताली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 जबकि वेस्टइंडीज के खिलाफ एक रन बनाया था जबकि पाकिस्तान के खिलाफ वह 31 रन ही बना पायीं। अब तक विश्व कप में वह केवल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही 68 रन बना पायी हैं।

लक्ष्य के तकनीकी कौशल से खुश हैं उसके मेंटोर विमल

नई दिल्ली । ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप में उपविजेता रहे लक्ष्य सेन के मेंटोर विमल कुमार ने इस खिलाड़ी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि अब उसे अपने खेल में निरंतरता बनाये रखनी होगी क्योंकि प्रशंसकों की नजरें उसपर लगी होंगी। लक्ष्य का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतने के बाद उसने जनवरी में इंडिया ओपन खिताब जीता जबकि वह जर्मन व ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में उपविजेता रहा। विमल ने कहा ,'' मैं उसके तकनीकी कौशल से खुश हूं। उसमें काफी सुधार आया है। वह शांत रहकर कठिन हालात में बेहतर खेलता है। उसके डिफेंस में भी सुधार आया है। जिस प्रकार से लक्ष्य ने डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन और एंटोंसेन एंडर्स जैसे खिलाड़ियों का सामना किसा उससे वह सभी की नजरों में आया है।'' उन्होंने कहा ,'' अब उसके प्रदर्शन पर अधिक गौर किया जायेगा और उसे इसका ध्यान रखना होगा। वह सही दिशा में जा रहा है पर उसे अपनी विविधता को और निखारना होगा।''

तस्कीन को सुपर जायंट्स से जोड़ना चाहते हैं गंभीर

मुम्बई । आईपीएल के 15 वें सत्र में नई टीम लखनऊ सुपर जायंट्स तेज गेंदबाज मार्क वुड की जगह पर बांग्लादेशी गेंदबाज तस्कीन अहमद को भी शामिल कर सकती है। वुड को टीम ने मोटी रकम देकर खरीदा था पर वह चोटिल होने के कारण सत्र से बाहर हो गए हैं। ऐसे में लखनऊ फ्रैंचाइजी अब वुड की जगह पर तस्कीन को टीम में रखना चाहती है। तस्कीन ने अभी तक आईपीएल नहीं खेला है। इसके बाद भी टीम लखनऊ के मेंटर गौतम गंभीर तस्कीन को काफी अच्छा गेंदबाज मानते हैं और उन्हें टीम से जोड़ना चाहते हैं। गंभीर ने कहा कि यह यह गेंदबाज तैयार हो जाता है तो उसे टीम में जगह दी जा सकती है। वहीं तस्कीन के लिए यह आसान नहीं रहेगा। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगले दो टेस्ट को छोड़ना होगा। तस्किन ने अब तक 33 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 23 विकेट लिए हैं।

आईपीएल में सबसे सफल कप्तान हैं धोनी , रोहित और अय्यर

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र में इस बार आठ की जगह दस टीमें रहेंगी। इससे मुकाबला और रोमांचक हो जाएगा। आईपीएल में इस बार दो नई टीमें गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जाएंट्स उतरेंगी। आईपीएल के इस सत्र में मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के पास सबसे अनुभवी कप्तान है। रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई ने पांच बार जबकि महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने चार बार खिताब जीता है। ऐसे में इन दोनो ही टीमों को इस बार भी खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। वहीं और चेन्नई के अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के पास भी श्रेयस अय्यर जैसा तेज कप्तान है। रोहित शर्मा- मुंबई इंडियंस के पास आईपीएल के सबसे सफल कप्तान हैं रोहित हैं। रोहित की कप्तानी में मुंबई ने सबसे ज्यादा 5 बार खिताब जीता है। रोहित ने साल 2013 से 2021 तक 129 में से 75 मैचों में अपनी टीम को जीत दिलाई, जबकि 4 मैच टाइ रहे। रोहित का जीत का प्रतिशत 59.68 है। महेन्द्र सिंह धोनी- महेन्द्र सिहं धोनी आईपीएल के दूसरे सबसे सफल कप्तान है। उनकी कप्तानी में टीम ने चाहर बार खिताब जीता है। सीएसके ने हमेशा से ही टीम में अनुभवी के साथ साथ युवा खिलाड़ियों को रखा है। धोनी ने उन खिलाड़ियों से भी टीम को बेहतर प्रदर्शन दिया जिनका क्रिकेट करियर अंतिम दौर में था। शेन वॉटसन, इमरान ताहिर ऐसे ही कुछ उदाहरण है। एक समय तो सीएसके को उम्रदराजों की टीम भी कहा गया पर मगर धोनी के इसी दिमाग की हर कोई दाद देता है. उनकी इसी उम्रदराज टीम ने दो साल बाद के बैन के वापसी करते हुए टीम को 2018 में खिताब दिलाया था। श्रेयस अय्यरः रोहित शर्मा और धोनी के अलावा आईपीएल 2022 में सबसे बेहतर कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर का नाम सबसे ऊपर है। वह इस बार केकेआर की कप्तानी करेंगे। केकेआर ने मेगा नीलामी में अय्यर को 12.25 करोड़ रुपये में खरीदने के बाद कप्तानी सौंपी है। अय्यर इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स टीम में थे। उनका जीत का प्रतिशत 53.65 है,की पहचान मात्र नहीं है। अय्यर को बेहतरीन कप्तान इसलिए भी माना जा रहा ह मगर ये प्रतिशत ही उनकी कप्तानी की पहचान मात्र नहीं है। अय्यर को बेहतरीन कप्तान इसलिए भी माना जा रहा है, क्योंकि दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व करते हुए उन्होंने एक नई टीम तैयार की और फिर उस टीम को फाइनल तक भी पहुंचाया।

दिल्ली कैपिटल्स के खिताब जीतने की संभावनाएं बेहद कम : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस साल दिल्ली कैपिटल्स टीम के खिताब जीतने की काफी कम संभावनाएं हैं। इससे पहले साल 2021 में टीम प्लेआफ में पहुंची थी पर इस बार उसके कई खिलाड़ी बदल गये हैं। कप्तान ऋषभ पंत सहित पिछले सत्र के केवल चार खिलाड़ियों को ही बरकार रखा गया है। इस कारण एक प्रकार से टीम नई हो गयी है। चोपड़ा ने कहा कि अगर दिल्ली की टीम इस सत्र में प्लेऑफ तक नहीं पहुंच पाती है तो उन्हें हैरान नहीं होगी। चोपड़ा ने कहा कि दिल्ली को अपना पहला मैच मजबूत टीम मुंबई इंडियंस के खिलाफ 27 मार्च को खेलना है। आकाश ने कहा कि मैं दिल्ली को लेकर थोड़ा चिंतित हूं और वो अपने पहले तीन लीग मैचों में से दो आसानी से हार सकते हैं हालांकि ऐसी भी संभावना है कि वो पहले तीन में से तीन मैच भी हार सकते हैं, लेकिन आप ऐसा नहीं कह सकते। हो सकता है कोई एक खिलाड़ी दिल्ली को जीत दिला दे पर एक टीम के तौर पर इससे मनोबल नहीं बढ़ता है। चोपड़ा को नये खिलाड़ी रोवमैन पावेल के अलावा भरत और सरफराज खान से भी विशेष प्रदर्शन की उम्मीद नहीं है। साथ ही कहा कि कुलदीप यादव भी पहले की तरह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं।

विधायक कप कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

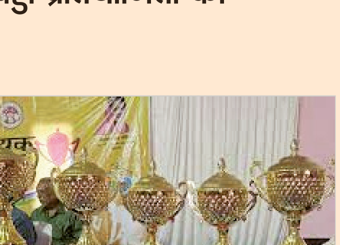

धार । मध्यप्रदेश शासन निर्देशनुसार संचनालय संचनालय खेल और युवा कल्याण विभाग के तत्वधान में आज धार विधानसभा क्षेत्र में विधायक कप कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया आयोजन धार के एचपीडीए खेल ग्राउंड पर किया गया दो दिवसीय कबड्डी खेल प्रतियोगिता में 23 टीमों ने भाग लिया बालक 15 टीम बालिका 08 टीम ! कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धार विधायक माननीय श्रीमती नीना विक्रम वर्मा जी रही एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष कालीचरण सोनबनिया पार्षद मनीष प्रधान हुकुम लश्करी नगर अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल व महामंत्री जयरामदेवरा युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष देवेंद्र रावल व महामंत्री गोलडी चौहान बादल मालवीय महिला नेत्री श्रीमती मीना दुबे एवं अनसूया वैष्णव मौजूद रहे कार्यक्रम में सभी जनप्रतिनिधियों का स्वागत जिला खेल अधिकारी धार श्री राजेश शाकय जी द्वारा किया गया आयोजन समिति अन्नूपाल ।खेल और युवा कल्याण विभाग के धार ब्लॉक समन्वयक मनीष सोनी युवा समन्वयक श्रीमती नीतू सोनी युवा समन्वयक खूम सिंह मंडलोई युवा समन्वयक अनुरोध चावड़ा युवा समन्वयक पूजा गुप्ता जिला कराते कोच शालिनी मिश्रा ने अतिथियों का फूल माला से स्वागत किया कबड्डी प्रतियोगिता में बालक वर्ग में विजेता सागर कुटी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया द्वितीय स्थान पीथमपुर एवं तृतीय स्थान धार स्टार कबड्डी विजेता रही ऐसे ही बालिका वर्ग में प्रथम स्थान धार ताइकांडो एवं द्वितीय स्थान गुणावद एवं तृतीय स्थान इंडियन आर्मी विजेता रहीं जिन्हें क्रमश 11000/6000/3000/ दोनों वर्ग में नगद पुरस्कार स्वरूप एवं ट्रॉफी मेडल प्रमाण पत्र अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों को प्रदान किए गए धार विधायक माननीय श्रीमती नीना विक्रम वर्मा जी ने खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की और कहां हारने वाले ज्यादा निराश ना हो हार के बाद जीत है समय परिवर्तनशील है सभी खिलाड़ियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

लखनऊ की टीम में शामिल होगा जिम्बाब्वे का यह तेज गेंदबाज, अपनी स्पीड के लिए है मशहूर

स्पोर्ट्स डेस्क ।

आईपीएल शुरू होने से पहले ही मार्क वुड इस लीग से हट गए हैं। जिस कारण लखनऊ सुपर जायंट्स नए तेज गेंदबाज की खोज में लग गई। लखनऊ टीम की यह खोज अब खत्म हो गई है। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी आईपीएल 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा होंगे। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। जिम्बाब्वे में भारत के राजदूत ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर फोटो शेयर करते हुए लिखा कि जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज मुजरबानी आईपीएल 2022 में खेलने के लिए अपने देश से जा रहे हैं। भारत के राजदूत मुजरबानी और लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम को इसकी शुभकामनाएं दी हैं। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज मुजरबानी अपनी स्पीड के लिए जाने जाते हैं। वह अपनी तेज गेंदबाजी से इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसे देशों में अपना जलवा दिखा चुके हैं। मुजरबानी पाकिस्तान सुपर लीग में भी खेल चुके हैं। पीएसएल में मुजरबानी ने 4 मैचों में 5 विकेट लिए थे। पर उनकी खासियत 140 की स्पीड से गेंदबाजी करना है। आईपीएल 2022 के लिए लखनऊ की टीम ने मार्क वुड की जगह बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तस्किन अहमद को रखना चाहता था। पर उनकी खासियत 140 की स्पीड से गेंदबाजी करना है। आईपीएल 2022 के लिए लखनऊ की टीम ने मार्क वुड की जगह बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तस्किन अहमद को रखना चाहता था। पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने तस्किन अहमद को आईपीएल में भेजने से इंकार कर दिया। बोर्ड ने कहा कि वह तस्किन को आईपीएल खेलने के लिए नओसी नहीं देगा।

डिजिटल दौर में इस तरह बन सकते हैं स्मार्ट वर्कर

फ्री सॉफ्टवेयर और टूल्स की मदद से ऑफिस में न सिर्फ स्मार्ट तरीके से काम कर सकते हैं, बल्कि कीमती समय भी बचा सकते हैं। आज का डिजिटल दौर 'हार्ड वर्क' के बजाय 'स्मार्ट वर्क' का है। कुछ फ्री सॉफ्टवेयर और टूल्स की मदद से आप ऑफिस में न सिर्फ स्मार्ट तरीके से काम कर सकते हैं, बल्कि अपना कीमती समय भी बचा सकते हैं। जानते हैं ऐसे ही कुछ सॉफ्टवेयर और टूल्स के बारे में।

पोर्टेबल ऐप्स

अगर आप ऑफिस में डेस्कटॉप का इस्तेमाल करते हैं, तो हो सकता है कि सिक्योरिटी सेटिंग्स की वजह से अपना कीमती समय बचाने के लिए एडिशनल सॉफ्टवेयर, एक्सटेंशन आदि को इंस्टॉल न कर पाएं। ऐसे में सबसे आसान तरीका है पोर्टेबल ऐप्स का इस्तेमाल। इसके लिए www.portableapps.com से इंस्टॉलर अपने यूएसबी फ्लैश ड्राइव में सेव कर सकते हैं। उसके बाद आप इस साइट पर उपलब्ध 300 से अधिक ऐप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। इन ऐप्स को इंस्टॉल करने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि ये फ्लैश ड्राइव से ही रन करते हैं। आप इसे किसी भी कम्प्यूटर पर एक्सेस कर सकते हैं।

ऐप लॉन्चर्स

अगर आप अपने कम्प्यूटर (विंडोज, मैक या लिनक्स) पर तेज और स्मार्ट तरीके से काम करना चाहते हैं, तो लॉन्ची (www.launchy.net) की मदद ले सकते हैं। यह एक ओपन सोर्स कीस्ट्रोक लॉन्चर है। इसकी मदद से आप कुछ सेकंड में ही अपने प्रोग्राम्स को स्टार्ट कर सकते हैं। यह आपके सभी प्रोग्राम्स, फोल्डर्स और डॉक्यूमेंट्स का ऑटो इंडेक्स शो करता है, इसलिए आप बहुत ज्यादा सोचे बिना ही जान सकते हैं कि आपके प्रोग्राम्स, फोल्डर्स आदि कहां हैं। अगर आप इसका विकल्प चाहते हैं, तो रॉकेटडॉक (www.rocketdock.com) आजमाएं। इसमें आप अपने हिसाब से चीजों को कस्टमाइज कर सकते हैं।

स्पैम सॉल्यूशन

अगर आप लंबे समय से किसी ईमेल सर्विस का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो दिन-प्रतिदिन स्पैम की संख्या भी बढ़ती चली जाती है। स्पैम से छुटकारा पाने के लिए आप अनरोल (www.unroll.me) सर्विस का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपके इनबॉक्स को कुछ ही मिनिट में स्कैन कर देता है। इसके बाद आपको उन ईमेल सब्सक्रिप्शन को दिखाता है, जो आपको लगातार स्पैम भेजते हैं। आप इस सर्विस का इस्तेमाल स्पैम को तत्काल अनसब्सक्राइब करने के लिए कर सकते हैं।

स्मार्ट कीबोर्ड

स्मार्टफोन का इस्तेमल हम कम्युनिकेशन के साथ-साथ कई दूसरे छोटे-मोटे कामों के लिए भी करते हैं, जैसे किसी को ईमेल टाइप करके भेजना आदि। आप चाहें, तो कम्प्यूटर की तरह स्मार्टफोन पर भी तेजी से टाइप कर सकते हैं। एंड्रॉयड और आईओएस के लिए कुछ ऐसे ही थर्ड पार्टी ऐप्स उपलब्ध हैं, जिनकी मदद से आप न सिर्फ अपना कीमती समय बचा सकते हैं, बल्कि आपको बेहतर वर्ड प्रिडिक्शन, स्वाइपिंग टेक्स्ट और कस्टमाइजेबल शॉर्टकट्स की सुविधा भी मिलती है। स्विफ्टकी एंड्रॉयड और आईओएस के लिए उपयोगी कीबोर्ड ऐप है। आप ईमेल और सोशल मीडिया पर कैसे टाइप करते हैं, यह उसे जान लेता है, फिर आपको पर्सनलाइज्ड प्रिडिक्शन ऑफर करता है, जिससे आप तेजी से टाइप कर सकते हैं। इसकी खासियत यह है कि आप अपने हिसाब से इसे रीसाइज भी कर सकते हैं।

फास्ट टाइपिंग

आजकल अधिकतर काम कम्प्यूटर पर ही होते हैं। ऐसे में टाइपिंग की स्पीड अच्छी न हो, तो काम करने में काफी समय लग जाता है। अगर आप अपनी टाइपिंग स्पीड सुधारना चाहते हैं, या फिर टाइपिंग सीखना चाहते हैं, तो कीबर (www. keybr.com) की मदद ले सकते हैं। यह न सिर्फ आपकी टाइपिंग स्पीड को दिखाएगा, बल्कि टाइपिंग के दौरान आपने कितनी गलतियां कीं, उसके बारे में भी बताएगा। इसके अलावा, एक और वेबसाइट है www.typing-web .com जहां टाइपिंग सीखने के लेसंस दिए गए हैं। अगर आप सॉफ्टवेयर के साथ ज्यादा सहज महसूस करते हैं, तो www.nchsoftware.com साइट से कीब्लेज टाइपिंग ट्यूटर सॉफ्टवेयर की मदद ले सकते हैं। यह फ्री सॉफ्टवेयर विंडोज और मैक के लिए उपलब्ध है। यहां पर फिंगर गाइड दिया गया है, जो आपको बताता है कि किस अंगुली की इस्तेमाल किस की के लिए करना है। यहां आप अपनी टाइपिंग स्पीड और एक्यूरेसी की जांच कर सकते हैं।

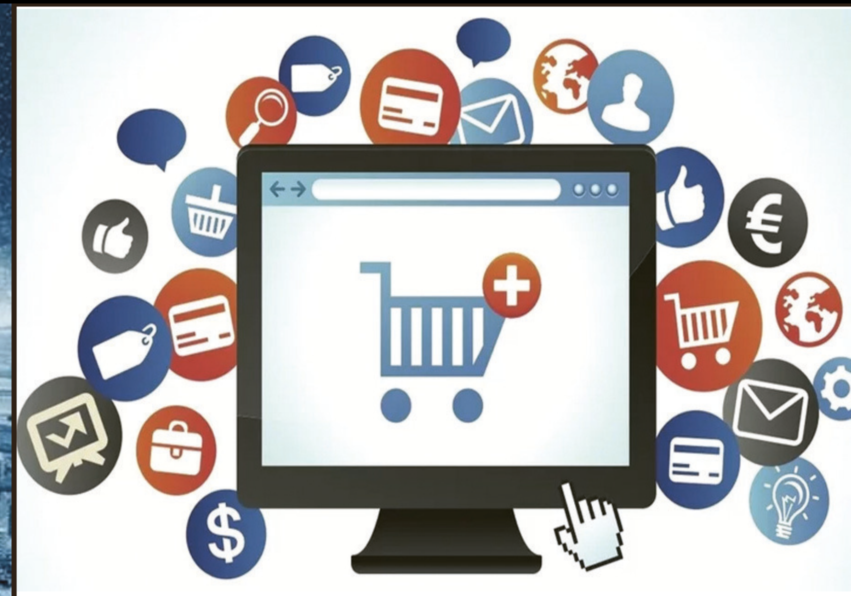

ई-बिजनेस में बनाएं करियर ये होनी चाहिए स्किल्स

ई-बिजनेस ने दुनियाभर के विक्रेताओं और ग्राहकों को एक-दूसरे के नजदीक ला दिया है। जानते हैं कैसे ई-बिजनेस में बढ़िया करियर बनाया जा सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक बिजनेस, जिसे ई-बिजनेस भी कहा जाता है, टेक्नोलॉजी के उपयोग से बिजनेस को बेहतर बनाता है। ई-बिजनेस का विकास काफी तेजी से हो रही है क्योंकि अब ज्यादातर बिजनेस गतिविधियां और लेनदेन इंटरनेट पर किए जाने लगे हैं। ऐसे में इन गतिविधियों के लिए क्वॉलिफाइड प्रोफेशनल्स की जरूरत है।

क्या है ई-बिजनेस?

आज के दौर में इंटरनेट ने उपभोक्ता और बिजनेस के बीच की दूरी को कम करके उनके बीच व्यवहार को आसान बना दिया है। ई-बिजनेस से खरीद-फरोख्त वैश्विक, प्रतिस्पर्धी और आसान बन गई है। एक बिजनेस अगर अपने उत्पादों को ऑनलाइन बेचता और खरीदता नहीं भी है लेकिन अपने बिजनेस से संबंधित गतिविधियां ऑनलाइन करता है, तो भी उसे ई-बिजनेस कहा जाएगा।

कैसी स्किल्स चाहिए?

आप इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में परफेक्ट होने चाहिए। वेबसाइट का लेआउट डिजाइन करने के लिए क्रिएटिविटी जरूरी होती है, इसलिए क्रिएटिव एस्पेक्ट भी वांछित है। ई-बिजनेस की रणनीति में परिवर्तन लाने या उसे रीइवैल्यूएट करने के लिए दूसरों से परामर्श लेते रहें। मार्केट रिसर्च, ऑनलाइन एडवरटाइजिंग, ब्रांडिंग, मीडिया प्लानिंग में भी आपकी रुचि हो।

कौन-से कोर्स?

ई-बिजनेस में कई तरह के कोर्स उपलब्ध हैं और हर कोर्स अलग जरूरत पर फोकस करता है। ये कोर्स ऑनलाइन बिजनेस स्ट्रैटेजी, मार्केटिंग, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, ई-कॉमर्स मैनेजमेंट पर फोकस करते हैं। ये कोर्स ऑनलाइन भी उपलब्ध हैं। ई-बिजनेस का कोर्स करके उम्मीदवार को प्रोडक्ट मैनेजर की पोस्ट भी ऑफर की जाती है। हालांकि यह कंपनी के स्ट्रक्चर पर निर्भर करता है।

एलिजिबिलिटी

बैचलर्स डिग्री प्रोग्राम में एडमिशन लेने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार ने 12वीं 50 प्रतिशत अंकों के साथ पास की हो। कोर्स की अवधि तीन साल होगी। पोस्टग्रेजुएट कोर्स करने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार ने किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएशन किया हो। इस कोर्स की अवधि दो साल की होगी।

पे स्केल

शुरूआती स्तर पर सैलेरी पैकेज ढाई से तीन लाख रुपए प्रति वर्ष के बीच होता है। सैलेरी पैकेज इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप किस संस्थान में और किस पोजिशन पर काम कर रहे हैं।

नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदल सकती है म्यूजिक थेरेपी

आज की भागदौड़ भरी जिदंगी में लोगों को डिप्रेशन जैसी कई मानसिक समस्याओं से जूझना पड़ता है और म्यूजिक थेरेपी इन सबसे उबरने में मददगार साबित हो सकती है। भारत में म्यूजिक थेरेपी का प्रचलन बहुत ज्यादा तो नहीं है क्योंकि इस पर बहुत खर्च आता है लेकिन इसके असरदार परिणामों को देख अब यह भारत में भी लोगों के बीच लोकप्रिय हो रही है। म्यूजिक थेरेपी का प्रभाव बहुत गहरा होता है। यह नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदल सकती है। अगर आपको संगीत से प्यार है और आपका बैकग्राउंड भी म्यूजिकल है तो आप इस क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। संगीत थेरेपी में विकारों को दूर करने के लिए इंसान के स्वभाव और समस्या के अनुसार संगीत तैयार करना होता है। इसके लिए आर्केस्ट्रा और अन्य कई इक्विप्मेंट्स का इस्तेमाल किया जाता है। जैसे-जैसे मरीज की हालत में सुधार आता है संगीत में उसके अनुसार बदलाव किया जाता है। इसके जरिए इलाज के लिए ऐसे संगीत का इस्तेमाल किया जाता है जिससे व्यक्ति को चैन मिल सके। इससे मरीज की निराशा, व्यवहार और भावनात्मक समस्याओं में कमी लाई जा सकती है। म्यूजिक थेरेपी को आजकल डॉक्टर भी बढ़ावा दे रहे हैं क्योंकि यह काम के बोझ के तले दबे लोगों के लिए काफी कारगर साबित हो रही है। यही कारण है कि इंजीनियर, आईटी प्रोफेशनल्स, कॉल सेंटरकर्मियों से लेकर मीडियाकर्मी तक इस थेरेपी का सहारा ले रहे हैं। जहां दवाएं काम नहीं करतीं, वहां संगीत अपना असर दिखा सकता है।

ये हैं कोर्स

हालांकि इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए कोई विशिष्ट योग्यता की आवश्यकता नहीं है लेकिन संगीत थेरेपी में कोई भी कोर्स करने के लिए बारहवीं उत्तीर्ण होना बुनियादी आवश्यकता है। इसके अलावा अगर आपने ये कोर्स किए हुए हों तो इस क्षेत्र में प्रवेश करना आपके लिए और आसान हो जाता है।

- एडवांस्ड लेवल म्यूजिक थेरेपी कोर्स
- सर्टिफिकेट इन म्यूजिक थेरेपी
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लीनिकल म्यूजिक थेरेपी
- प्रोफेशनल पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन म्यूजिक थेरेपी

रूस पर भारत के तटस्थ रवैये पर बोले बाइडेन- हमारे सारे सहयोगी एक तरफ, भारत एक तरफ

वॉशिंगटन ।

यूक्रेन करीब 27 दिनों से रूसी मिसाइलों प्रहार और बम धमाकों को झेल रहा है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रूस को लेकर भारत के रुख पर नाराजगी जताई है। बाइडेन कहा कि भारत अमेरिका के प्रमुख साथियों में अपवाद स्वरूप है। यूक्रेन पर हमला करने वाले रूस को दंडित करने के लिए पश्चिमी देशों ने प्रतिबंध लगाए हैं, लेकिन भारत इस मामले में कुछ हद तक अस्थिर रहा है। जो बाइडेन ने कहा कि क्वाड में जापान और ऑस्ट्रेलिया व्लादिमीर पुतिन के आक्रमणकारी रवैये के खिलाफ काफी सख्त रहे हैं। इनमें भारत एक अपवाद है, जिसका इस मामले में रुख कुछ हद तक ढुलमुल रहा है। यूएस बिजनेस लीडर्स की बैठक को संबोधित करते हुए बाइडन ने कहा कि भारत का रूस के खिलाफ रवैया ढुलमुल रहा है। वहीं नाटो इससे पहले कभी भी इतना ताकतवार और एकजुट नहीं था, जितना आज है। आपको बता दें कि यूक्रेन पर हमला करने के बाद से रूस के खिलाफ अमेरिका सहित तमाम पश्चिमी देशों कई सख्त कदम उठाए और आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। तमाम बड़ी कंपनियों ने रूस में अपना बिजनेस बंद कर दिया है। यूएन में भी इन देशों ने रूस को घेरने की कोशिश की और उसके खिलाफ वोट तक किया, लेकिन भारत ने इस मामले में तटस्थता की नीति अपनाई है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ एकजुटता दिखाने के लिए जो बाइडेन ने नाटो देश, यूरोपियन यूनियन और अमेरिकी साथियों की तारीफ की। लेकिन जिस तरह से क्वाड सदस्यों में से एक भारत ने रूस के साथ तेल खरीदने का फैसला लिया और यूएन में रूस के खिलाफ वोट करने से दूरी बनाई उसको लेकर बाइडेन ने भारत पर निशाना साधा है। पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने व्लादिमीर पुतिन को 'वॉर क्रिमिनल' कहा था। बाइडन इस बयान पर रूस भड़क गया है।

दुनिया में कोविड के मामलों में हुई बढ़ोतरी, 47.2 करोड़ से अधिक का हुआ आंकड़ा

वॉशिंगटन ।

महामारी कोरोना वायरस के संक्रमण के मामले बढ़कर 47.2 करोड़ हो गए हैं। इस महामारी से अब तक कुल 60.9 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जबकि 10.80 अरब से ज्यादा का टीकाकरण हुआ है। ये जानकारी जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी ने साझा की है। यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसएसई) ने मंगलवार सुबह नए अपडेट में बताया कि वर्तमान वैश्विक मामले, मरने वालों एवं टीकाकरण की कुल संख्या बढ़कर क्रमशः 472,048,486, 6,093,516 और 10,806,178,972 हो गई है। सीएसएसई के अनुसार, दुनिया के सबसे ज्यादा मामलों और मौतों 79,775,780 और 972,603 के साथ अमेरिका सबसे ज्यादा प्रभावित देश बना हुआ है।

कोरोना मामलों में भारत दूसरा सबसे प्रभावित देश है, जहां कोरोना के 43,009,390 मामले सामने आ चुके हैं, जबकि 516,510 लोगों की मौत हो चुकी है, इसके बाद ब्राजील में कोरोना के 29,650,082 मामले सामने आ चुके हैं, जबकि 657,595 लोगों की मौत हो चुकी हैं। सीएसएसई के आंकड़ों के अनुसार, 1 करोड़ से ज्यादा मामलों वाले अन्य सबसे प्रभावित देश फ्रांस (24,352,817), यूके (20,470,351), जर्मनी (18,810,035), रूस (17,356,036), तुर्की (14,708,850), इटली (13,895,188) और स्पेन (11,324,637) हैं। जिन देशों ने 100,000 से ज्यादा मौतों का आंकड़ा पार कर लिया है, उनमें रूस (357,634), मेक्सिको (322,072), पेरू (211,865), यूके (164,266), इटली (157,904), इंडोनेशिया (153,892), फ्रांस (142,119), ईरान (139,662), कोलंबिया (139,471), अर्जेंटीना (127,599), जर्मनी ।

पाकिस्तान में हिंदू लड़की को अगवा करने की कोशिश, विरोध किया तो हमलावरों मार दी गोली

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान में हिंदुओं के साथ हिंसा और अत्याचार की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। ताजा मामला सोमवार का है जब एक 18 साल की हिंदू लड़की की गोली मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि, आरोपी ने लड़की को पहले अगवा करने की कोशिश की थी लेकिन जब वह इसमें सफल नहीं हो पाया तो आरोपी ने लड़की की गोली से मारकर हत्या कर दी। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, यह मामला पाकिस्तान के सिंध के रोही सुक्कूर का है जहां हिंदू लड़की पूजा ओड ने हमलावरों का विरोध किया था तो उसको बीच सड़क पर गोली मारकर हत्या कर दी थी। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक खासकर सिंध में हिंदू महिलाओं के साथ काफी अत्याचार होते जा रहे है। यहां हिंदू महिलाओं को पहले अगवा करते है और फिर उसका जबरन धर्मांतरण कर देते है। पीपुल्स कमीशन फॉर माइनॉरिटीज राइट्स और सेंटर फॉर सोशल जस्टिस के मुताबिक, साल 2013 से लेकर 2019 तक में अब तक 156 हिंदू लड़कियों का जबरन धर्मांतरण किया जा चुका हैं।

इन अपराधों के मामले बढ़ने के कारण साल 2019 में सिंध सरकार ने जबरन धर्मांतरण कर दूसरी शादी के खिलाफ एक बिल लाने का भी प्रयास ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स पाकिस्तान की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में हिंदुओं की कुल आबादी 1.60 प्रतिशत है ।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने पुतिन के मामले में भारत के रुख पर चिंता जाहिर की

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन पर रूसी हमले को लेकर भारत के रुख पर चिंता जाहिर की है। बाइडेन का कहना है, कि यूक्रेन पर रुसी आक्रमण के खिलाफ समर्थन दिखाने में भारत की स्थिति थोड़ी असमंजस वाली है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के ज्यादातर मित्रों और सहयोगियों ने व्लादिमीर पुतिन के आक्रामक रुख से निपटने में एकजुटता जाहिर की है। रूस की सेना ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमला किया जो अब तक जारी है। हमले से तीन दिन पहले रूस ने यूक्रे के अलगाववादी क्षेत्रों दोनेत्स्क और लुहांस्क की स्वतंत्रता को मान्यता दी थी। बाइडन ने कहा, पुतिन को अच्छी तरह जानने के कारण एक चीज को लेकर मैं आश्वस्त हूं कि वह नाटो को विभाजित करने में सक्षम होने का भरोसा कर रहे थे। उन्होंने कभी सोचा नहीं था कि नाटो सुलझा हुआ रहेगा, पूरी तरह एकजुट रहेगा। मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं, कि नाटो रूसी राष्ट्रपति पुतिन के कारण आज के मुकाबले पहले कभी इतिहास में इतना मजबूत या अधिक एकजुट नहीं रहा। उन्होंने कहा, उनके आक्रामक रुख के जवाब में नाटो और प्रशांत क्षेत्र में एकजुटता दिखाई है। भारत के अलावा क्वाड एकजुट है। भारत की स्थिति पुतिन के आक्रमण से निपटने के लिहाज से थोड़ी असमंजस वाली है, लेकिन जापान अत्यधिक मजबूत है, वहीं ऑस्ट्रेलिया भी मजबूत दिख रहा हैं। पिछले माह बाइडन ने कहा था कि भारत और अमेरिका, यूक्रेन के खिलाफ रूस के हमले के अमेरिकी राष्ट्रपति ने बैठक में कहा, हमने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और प्रशांत क्षेत्र में एकजुटता दिखाई और आपने रूसी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने और प्रतिबंध लगाने में हमारी मदद के लिए काफी कुछ किया।

संक्षिप्त समाचार

विमान हादसे के 18 घंटे बाद भी मलबे में नहीं मिला कोई जीवित शख्स, जिनपिंग ने दिया जांच का आदेश

बीजिंग । चीन ईस्टर्न प्लेन हादसे के करीब 18 घंटे बाद भी मलबे में कोई जीवित नहीं मिला है। 132 लोगों को लेकर जा रहा विमान सोमवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यह देश में लगभग एक दशक में हुए सबसे भीषण आपदाओं में से एक है। विमान का मलबा घटनास्थल पर मिला, लेकिन अब तक इसमें सवार किसी भी व्यक्ति के जीवित बचने का पता नहीं चला है। मंगलवार को भी तलाश अभियान जारी है। विमान दक्षिणी प्रांत गुआंगशी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और हादसे के कारण पहाड़ी इलाके में आग लग गई थी। बोइंग 737-800 विमान कुनमिंग से गुआनझो जाते समय गुआंगशी क्षेत्र में वुझो शहर के पास हादसे का शिकार हो गया था। चीन के नागरिक उड्डयन प्रशासन ने बताया कि विमान में 123 यात्री और चालक दल के नौ सदस्य सवार थे। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने व्यापक बचाव अभियान चलाने और नागरिक उड्डयन सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ हादसे की पूर्ण जांच करने का आदेश दिया है। वहीं, चीन की तीन सबसे बड़ी विमानन कंपनियों में शामिल चाइना ईस्टर्न एयरलाइन ने हादसे के बाद अपने सभी बोईंग 737-800 विमानों की उड़ानें रद्द कर दी हैं। चाइना ईस्टर्न एयरलाइन ने अपनी वेबसाइट का रंग भी बदलकर काला कर दिया है। बोइंग 737 मैक्स विमान बोइंग 737-800 का अपग्रेडेड वर्जन है और दोनों 737 सीरीज के हैं। अमेरिका स्थित विमान निर्माता बोइंग ने इस मामले पर बयान नहीं दिया है। अक्टूबर 2018 और मार्च 2019 के बीच छह महीने के दौरान दो बोइंग 737 मैक्स विमान दुर्घटनाओं में शामिल थे, जिसमें कुल 346 लोग मारे गए थे। इन दो दुर्घटनाओं के बाद डीजीसीए ने मार्च 2019 में भारत में बोइंग 737 मैक्स विमानों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

गूगल की पूर्व कर्मी ने कंपनी के विरुद्ध दायर किया नस्लीय भेदभाव का मुकदमा

सैन जोस । गूगल की एक पूर्व कर्मचारी ने प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी पर नस्लीय भेदभाव के लिए मुकदमा दायर करते हुए आरोप लगाया है कि वह अपने अश्वेत कर्मचारियों के साथ अनुचित व्यवहार करती है। मुकदमे में दावा किया गया है कि कंपनी अश्वेत कर्मचारियों को निचले स्तर की और कम वेतन वाली नौकरियां देती है और अगर वे इसके खिलाफ आवाज उठाते हैं, तो उनके लिए काम करना मुश्किल बना दिया जाता है। एप्रैल कर्ली को कंपनी के लिए अश्वेत कर्मचारियों की भर्ती करने के लिए 2014 में नौकरी पर रखा गया। उन्होंने सैन जोस में कैलिफोर्निया के नॉर्दन डिस्ट्रिक्ट के लिए यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में अपने मुकदमे में दावा किया कि उन्होंने कंपनी के खिलाफ आवाज उठानी शुरू की और अश्वेत कर्मचारियों तथा आवेदकों के खिलाफ गूगल के दोहरे मानदंडों में सुधार का आह्वान किया, जिसके बाद 2020 में उन्हें गैरकानूनी रूप से नौकरी से निकाल दिया गया। शिकायत में कहा गया अपने नस्लीय रूप से भेदभावपूर्ण 'कॉरपोरेट कल्चर' का अनुसरण करते हुए गूगल अपने अफ्रीकी अमेरिकी तथा अश्वेत कर्मचारियों के नस्लीय भेदभाव करता है।

युद्धग्रस्त यूक्रेन में सरोगेसी से पैदा हुए 20 से अधिक बच्चों को अपने मां-बाप का इंतजार

कीव । यूक्रेन की राजधानी कीव में एक बम रोधी आश्रय स्थल में किराए की कोख से जन्मे कम से कम 20 बच्चे अपने विदेशी माता-पिता के युद्धग्रस्त देश में आने और उन्हें ले जाने का इंतजार कर रहे हैं। कुछ दिन पहले जन्मे इन बच्चों की अच्छी देखभाल हो रही है, लेकिन बेसमेंट में रहने के बावजूद उन्हें समय-समय पर होने वाली गोलाबारी की आवाज साफ सुनाई देती है। सरोगेसी केंद्रों की कई नर्सें भी आश्रय स्थल में ही रह रही हैं, क्योंकि उनके लिए रोजाना घर जाना-आना बहुत खतरनाक है। कीव पर कब्जे की कोशिशों में जुटे रूसी बलों को यूक्रेनी जवान कड़ी टक्कर दे रहे हैं। 51 वर्षीय नर्स ल्युदमिलिया यशेंको ने कहा, हम यहां अपनी और बच्चों की जिंदगी की रक्षा के लिए रह रहे हैं। हम लगातार जारी बमबारी से बचने के लिए यहां सिर छिपा रहे हैं। यशेंको के मुताबिक, वह ताजा हवा में सांस लेने के लिए कुछ समय के लिए आश्रय स्थल से जरूर निकलती हैं, लेकिन ज्यादा देर तक बाहर रहने की हिम्मत नहीं जुटा पातीं। वह अपने दोनों बेटों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं, जो मुल्क की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं। यशेंको ने कहा हम न के बराबर नींद ले रहे हैं। हम दिन-रात काम कर रहे हैं। यूक्रेन में सरोगेसी उद्योग तेजी से फल-फूल रहा है। यह उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जो विदेशी जोड़ों के लिए सरोगेसी की सेवा उपलब्ध कराते हैं। देश में किराए की कोख से जन्मे ज्यादातर बच्चों के माता-पिता यूरोप, लातिन अमेरिका और चीन में रहते हैं। यशेंको ने यह नहीं बताया कि कितने मां-बाप अपने बच्चों को ले जाने आए हैं, कितने बच्चों को अभी भी अपने माता-पिता के आने का इंतजार है और कितनी सरोगेट मांओं का हाल-फिलहाल में प्रसव होना है। उन्होंने कहा कि आश्रय स्थल में खाने और बच्चों से जुड़ी सामग्री पर्याप्त मात्रा आकर उन्हें साथ ले जाने का इंतजार है।

श्रीलंका को 2.5 अरब डॉलर की ऋण सुविधा देने पर विचार कर रहा चीन

कोलंबो । चीन गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे श्रीलंका को 2.5 अरब डॉलर की ऋण सुविधा देने पर विचार कर रहा है। श्रीलंका में चीनी राजदूत ने कहा कि श्रीलंका ने चीन से 2.5 अरब डॉलर की ऋण सुविधा मांगी है, जिसमें 1.5 अरब डॉलर का खरीदार ऋण भी शामिल है। राजदूत ने कहा, श्रीलंका के इस अनुरोध पर अभी विचार हो रहा है। इसके पहले भारत की तरफ से भी श्रीलंका को 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा मिल चुकी है। फरवरी में दी गई इस ऋण सुविधा का इस्तेमाल श्रीलंका को पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद के लिए करना था। इसके साथ ही चीनी राजदूत ने कहा कि दोनों देश अब इस पर चर्चा करने वाले हैं कि कर्ज और खरीदार ऋण का इस्तेमाल किस तरह से किया जाएगा। खरीदार ऋण किसी विदेशी कर्जदाता की तरफ से आयातक को उत्पाद या सेवाओं की खरीद के लिए दिया जाने वाला अल्पावधि ऋण होता है। एक निर्यात वित्त एजेंसी इस कर्ज की गारंटी देती है, जिससे निर्यातक के लिए जोखिम कम हो जाता है। लिए जोखिम कम हो जाता है। उसकी मदद के लिए हमेशा तैयार है। विदेशी मुद्रा संकट की वजह से श्रीलंका पेट्रोलियम उत्पादों एवं अन्य जरूरी सामान की खरीद नहीं कर पा रहा है।

रूस के मुद्दे पर भारत का रवैया गोलमोल, बाकी सभी सहयोगी पूरी तरह एकजुट : बाइडेन

वाशिंगटन ।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि रूस के मुद्दे पर भारत को छोड़ उसके सभी सहयोगी देश अमेरिका के साथ हैं। उन्होंने कहा है कि पश्चिमी देशों के रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों पर सभी सहयोगी देशों ने अमेरिका का समर्थन किया है। हालांकि इस मामले में भारत का रवैया जरूर गोलमोल रहा है। बिजनेस राउंडटेबल सीईओ की क्वाटर्ली मीटिंग के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यह बात कही है। उन्होंने रूस के मुद्दे पर अमेरिका के सहयोगी उसके कितने साथ हैं, मुद्दे पर बोलते हुए कहा है कि क्वाड संगठन के सहयोगी देशों ने भी इस पर अमेरिका का पूरा सहयोग दिया है। जापान ने भी रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाए हैं। इसी तरह से आस्ट्रेलिया ने भी रूस के खिलाफ प्रतिबंधों पर अमेरिका का भरपूर सहयोग दिया है। इस बीच अमेरिका ने आगाह किया है कि रूस यूक्रेन के खिलाफ केमिकल वेपंस का इस्तेमाल कर सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि पुतिन इस बात को नहीं समझ पा रहे हैं कि इस मुद्दे पर नाटो किस कदर पश्चिमी देशों से एकजुट है और यूक्रेन पर उनके हमले का जवाब अपनी तरह से दे रहा है। आपको बता दें कि इस माह की शुरुआत में क्वाड की वर्चुअल बैठक हुई थी, जिसमें आस्ट्रेलिया, जापान, अमेरिका के नेताओं ने यूक्रेन पर हमले के लिए रूस की कड़ी आलोचना की थी। वहीं इस बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों पक्षों से बातचीत कर विवाद सुलझाने की अपील की थी।

उल्लेखनीय है कि भारत अमेरिका के सहयोगी देशों में एकमात्र देश है, जिसने अब तक रूस के मसले पर अमेरिका का पक्ष नहीं लिया है। इससे पहले रूस के खिलाफ सुरक्षा क्वाड के अन्य सदस्य देशों ने भारत के इस रवैये को गलत बताया है और रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का समर्थन करने और इसी तरह के कदम उठाने की अपील भी की है।

रूस बोला- इंस्टा और फेसबुक उग्रवाद को दे रहे बढ़ावा, लगाई पाबंदी

मॉस्को ।

यूक्रेन के साथ रूस लगभग 1 मे हीने से जंग लड़ रहा है। रूस की इस सैन्य कार्रवाई को लेकर कई देशों ने उसका विरोध किया और उस पर कई तरह की पावंदी भी लगाई। इनमें वित्तीय प्रतिबंध भी शामिल हैं। वहीं गूगल और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी रूस के खिलाफ प्रतिबंधों की घोषणा कर चुके हैं। इस बीच रूस की एक अदालत ने देश में इंस्टाग्राम और फेसबुक पर पूर्ण पाबंदी लागने का आदेश जारी किया है। कोर्ट ने इसकी कंपनी मेटा को उग्रवाद को बढ़ावा देने वाला करार दिया है। मॉस्को स्थित कोर्ट ने कहा है कि फेसबुक और इंस्टाग्राम रूसी लोगों के बीच काफी इस्तेमाल किए जाते हैं। ये दोनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उग्रवाद संबंधी गतिविधियों के बढ़ावा दे रहे हैं। कोर्ट ने कहा है कि हालांकि मेटा के वाट्सएप मैसेंजर पर प्रतिबंध नहीं लगाए जाएंगे क्योंकि यह संचार का माध्यम है, ना कि जानकारी का स्रोत। कोर्ट ने प्रतिबंध लगाने का फैसला उग्रवादी संबंधी कानून के अंतर्गत लिया है। मॉस्को में सुनवाई के दौरान रूस की एफएसबी सेक्योरिटी सर्विस ने मेटा कंपनी पर वैकल्पिक वास्तविकता बनाने का आरोप लगाया, जिससे रूसियों के लिए नफरत पैदा हुई। उसका कहना है कि मेटा संगठन की गतिविधियां रूस और उसकी सेनाओं के खिलाफ हैं। संगठन की गतिविधियां रूस और उसकी सेनाओं के खिलाफ हैं। एफएसबी के प्रतिनिधि कोवालेस्की ने सोमवार को अदालत में कहा कि व्यक्तियों और कानूनी संस्थाओं द्वारा मेटा के उत्पादों का उपयोग किए जाने को चरमपंथी या उग्रवादी गतिविधियों में भागीदारी के रूप में नहीं माना जाना चाहिए। व्यक्तियों को मेटा की सेवाओं का उपयोग करने के लिए उत्तरदायी नहीं ठहराया जाएगा। हालांकि अभी यह साफ नहीं हुआ है कि क्या फेसबुक और इंस्टाग्राम पर विज्ञापन खरीदने वाली रूसी और विदेशी कंपनियों पर एक उग्रवादी संगठन को फंडिंग करने से संबंधित रूसी कानून के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है। रूसी मीडिया के अनुसार मेटा की वकील विक्टोरिया शगीना ने अदालत में कहा था कि कंपनी किसी भी प्रकार के रसोफोबिया (रूस की खिलाफत) का विरोध करती है और उग्रवादी गतिविधियों को अंजाम नहीं दे रही है।

एलन मस्क ने मंगल ग्रह पर पहुंचने की तारीख फिर बदली

वॉशिंगटन । खगोलीय वैज्ञानिक पृथ्वी के अलावा दूसरे ग्रहों में जीवन की तलाश में सतत प्रयत्नशील है। कई साल पहले ही चांद पर कदम रख चुके हैं और अब मंगल पर जाने की तैयारी कर रहे हैं। दुनिया के सबसे अमीर शख्स, टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क का सपना सिर्फ मंगल पर कदम रखने का नहीं बल्कि लाल ग्रह पर इंसानों की पूरी कॉलोनी बसाने का है। एलन मस्क ने दावा किया था कि 2024 में मानव मंगल ग्रह पर कदम रखेगा लेकिन अब उन्होंने अपनी इस तारीख को थोड़ा आगे बढ़ा दिया है। एलन मस्क ने 2016 में मंगल ग्रह पर इंसानों का शहर बसाने का अपना प्लान दुनिया के सामने रखा था। उस वक्त मस्क ने भविष्यवाणी करते हुए कहा था कि 2024 तक एक क्रु मिशन मंगल ग्रह पर कदम रख सकता है। इसके बाद मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने मंगल ग्रह पर जाने के लिए रॉकेट निर्माण के कई प्रयास किए लेकिन लग नहीं रहा कि मस्क की डेटलाइन तक यह काम पूरा हो पाएगा। खुद मस्क ने बुधवार को ट्विटर पर एक यूजर को जवाब देते हुए इसका खुलासा किया। एलन मस्क के अनुसार इंसान कम से कम 2029 तक मंगल पर कदम रख पाएगा, यानी 1969 में चांद पर पहली बार इंसान के पहुंचने के 60 साल बाद। मस्क ने दूसरी बार इंसान के मंगल पर पहुंचने की तारीख बदली है। दिसंबर 2020 तक उन्होंने इसके लिए 2026 का लक्ष्य रखा था। स्पेसएक्स नासा के लिए अंतरिक्ष यात्रियों को चांद और भविष्य में मंगल पर भेजने के लिए स्टारशिप को डिजाइन कर रहा है। स्टारशिप ने कई ऊंची उड़ानें तो भरी हैं लेकिन अभी तक यह अंतरिक्ष में जाने में कामयाब नहीं रहा है। एलन मस्क के बाद दुनिया के कई अमीर उद्योगपति अंतरिक्ष में दिलचस्पी दिखा चुके हैं।

सरकार बचाने इमरान खान ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

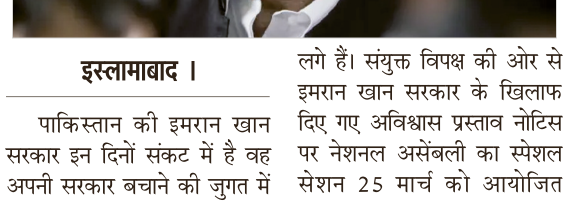

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान की इमरान खान सरकार इन दिनों संकट में है वह अपनी सरकार बचाने की जुगत में लगे हैं। संयुक्त विपक्ष की ओर से इमरान खान सरकार के खिलाफ दिए गए अविश्वास प्रस्ताव नोटिस पर नेशनल असेंबली का स्पेशल सेशन 25 मार्च को आयोजित होगा। इस बीच इमरान खान ने सुप्रीम कोर्ट से खरीद फरोख्त में शामिल बागी सांसदों के वोट न गिनने की अपील की है। इसके लिए संविधान के अनुच्छेद-63 का हवाला दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पीटीआई की ओर से कोर्ट में पेश किए गए ड्राफ्ट में कहा गया है कि हॉर्स ट्रेडिंग में लिप्त सांसदों को अयोग्य करार दिए जाने को लेकर अनुच्छेद-63 के प्रावधान है। इसलिए ऐसे सदस्यों को संसद में दोबारा नहीं आने देना चाहिए और उनके वोट को किसी संवैधानिक या लोकतांत्रिक प्रक्रिया में नहीं गिना जाना चाहिए। विपक्ष के पास अब करीब 200 और इमरान खान के पास करीब 145 सांसद हैं। बहुमत का आंकड़ा 172 है। इमरान और उनके मंत्री जानते हैं कि वोटिंग में सरकार का गिरना तय है। लिहाजा, वो इसे टालने के लिए हर कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष के साथ ही अपनी ही पार्टी के उन सांसदों को भी धमकाया जा रहा है, जो सरकार के खिलाफ वोट दे सकते हैं। उधर, विपक्षी दल पाकिस्तान डेमोक्रेटिक एलायंस के नाम से एकजुट हो चुका है ताकि इमरान खान सरकार को उखाड़ फेका जा सके। इमरान खान अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से ठीक पहले जनता के मूड को अपने पक्ष में करने के लिए पूरे देश में जोरदार जलसे कर रहे हैं। इस दौरान वह न केवल विपक्षी गठबंधन पर हमले कर रहे हैं, वहीं अपने बागी सांसदों को मनाने की भी कोशिश कर रहे हैं। इमरान खान विपक्षी दलों को परिणाम भुगतने की धमकी भी दे चुके हैं। पूर्व पीएम नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज ने अपने चाचा और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज' पीएमएल(एन) के मुखिया शहबाज शरीफ को पीएम पद का दावेदार भी बताया। मरियम ने इमरान पर तंज करते हुए कहा है कि अगर इमरान में जरा भी शर्म बची है तो उन्हें कुर्सी छोड़नी चाहिए। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए इमरान खान सरकार को हटाने की मुहिम में जुटा संयुक्त विपक्षी गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) प्रस्ताव विफल हो जाने की स्थिति में प्रधानमंत्री के खिलाफ राजनीतिक हमले जारी रखने के लिए विभिन्न रणनीतियां बना रहा है। अगर अविश्वास प्रस्ताव का शुरुआती प्लान-ए विफल हो जाता है, तब की स्थिति में पीडीएम अलग-अलग विकल्प, यानी प्लान-बी और सी के जरिए सरकार को घेरेगा।

पंजाब- आप के 11 मंत्रियों में चार पर चल रहे गंभीर आपराधिक केस

चंडीगढ़ । पंजाब में आम आदमी पार्टी नेता भगवंत मान के नेतृत्व में गठित सरकार के 11 मंत्रियों में से सात पर आपराधिक मामले चल रहे हैं, जिनमें से चार पर गंभीर आरोप हैं, जबकि उनमें से दो डॉक्टर और दो वकील हैं। एक चुनाव अधिकार समूह द्वारा किए गए विश्लेषण से यह जानकारी मिली। पंजाब इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने मुख्यमंत्री भगवंत मान सहित सभी 11 मंत्रियों के हलफनामों का विश्लेषण किया है। एडीआर के मुताबिक, सात मंत्रियों (64 फीसदी) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए थे। उनमें से चार (36 फीसदी) ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। नौ मंत्री करोड़पति हैं, जिनमें से प्रत्येक की औसत संपत्ति 2.87 करोड़ रुपये है और उनमें से समान संख्या में देनदारियां हैं। उनमें से सबसे अमीर होशियारपुर के 12वीं पास ब्रैम शंकर हैं, जिनकी संपत्ति 8.56 करोड़ रुपये है, जबकि मैट्रिक पास भोआ (आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र) के 51 वर्षीय लाल चंद कटारुचक ने सबसे कम 6.19 लाख रुपये की संपत्ति घोषित की है। आप में शामिल होने से पहले कटारुचक भारतीय क्रांतिकारी मार्क्सवादी पार्टी के सदस्य थे। एक अन्य मैट्रिक पास 60 वर्षीय कुलदीप सिंह धालीवाल, जिन्हें ग्रामीण विकास और पंचायत, पशुपालन और एनआरआई मामलों के विभाग आवंटित किए गए हैं, की जड़ें भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) जुड़ी थीं। इस बीच, 56 वर्षीय कांग्रेस के बागी और चार बार के नगर पार्षद, जिन्हें राजस्व, पुनर्वास और आपदा प्रबंधन विभाग दिया गया है, उन पर सबसे अधिक 1.08 करोड़ रुपये की देनदारी है। एडीआर ने कहा कि पांच मंत्रियों (45 फीसदी) ने अपनी शैक्षणिक योग्यता 12वीं कक्षा से नीचे घोषित की है, जबकि शेष स्नातक या उससे ऊपर हैं। उनमें से दो पेशे से डॉक्टर हैं- डॉ. बलजीत कौर, जिन्होंने 2010 में बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस से एमएस (नेत्र विज्ञान) किया था, और डॉ. विजय सिंगला, जिन्होंने 1992 में पटियाला में पंजाबी यूनिवर्सिटी से डेंटल सर्जरी में स्नातक किया था। सिंगला को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान विभाग सौंपा गया है, जबकि कौर महिला और बाल विकास मंत्री हैं। मुख्यमंत्री मान ने 1992 में सुनाम में शहीद उधम सिंह सरकारी पेशे से इंजीनियर गुरमीत सिंह मीत हेयर ने 2012 में पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी के स्वामी विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी से बी.टेक किया था।

बीजेपी से बीएसपी नहीं बल्कि सपा संरक्षक मुलायम सिंह खुलकर मिले हैं : मायावती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बसपा की भारी दुर्गति के बाद पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी सुप्रीमो मायावती ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के संरक्षक मुलायम सिंह यादव और अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने अपर्णा यादव के बहाने तंज भी कसा है। बसपा सुप्रीमो ने योगी सरकार के पिछले शपथ ग्रहण की याद दिलाकर यह भी कहा कि तब मुलायम सिंह यादव ने अखिलेश को बीजेपी से आशीर्वाद दिलाया था। ध्यान रहे कि उस वक्त पीएम मोदी से मुलायम सिंह और अखिलेश यादव की बातचीत करते हुए तस्वीर ने सुर्खियां बटोरी थीं। मायावती ने योगी के पिछले शपथ ग्रहण की याद ऐसे समय पर दिलाई है जब एक दिन पहले ही अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी ना तो उन्हें शपथ ग्रहण में बुलाएगी और ना वह जाने की इच्छा रखते हैं। मायावती ने सपा के उन आरोपों पर भी पलटवार किया है, जिनमें बसपा को बीजेपी की बी टीम बताया गया था। बसपा प्रमुख ने मंगलवार को ट्वीट किया, %%बीजेपी से बीएसपी नहीं बल्कि सपा संरक्षक मुलायम सिंह खुलकर मिले हैं, जिन्होंने बीजेपी के पिछले हुए शपथ में, अखिलेश को बीजेपी से आशीर्वाद भी दिलाया है और अब अपने काम के लिए एक सदस्य को बीजेपी में भेज दिया है। यह जग-जाहिर है। माना जा रहा है कि मायावती का इशारा अपर्णा यादव की ओर है, जो चुनाव से ठीक पहले भाजपा में शामिल हुईं। मायावती का इशारा अपर्णा यादव की ओर है, जो चुनाव से ठीक पहले भाजपा में शामिल हुईं। एक अन्य ट्वीट में मायावती ने कहा, यूपी में अम्बेडकरवादी लोग कभी भी सपा मुखिया अखिलेश यादव को माफ नहीं करेंगे, जिसने, अपनी सरकार में इनके नाम से बनी योजनाओं व संस्थानों आदि के नाम अधिकांश बदल दिये है। जो अति निन्दनीय व शर्मनाक भी है। गौरतलब है कि सपा और बसपा ने 2019 लोकसभा चुनाव में गठबंधन किया था, लेकिन जल्द ही दोबारा राहें अलग हो गईं। हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव ने मायावती के वोटर्स को अपने पाले में लाने की भरसक कोशिश की थी।

फिर हिंसा की आग में बंगाल तृणमूल कांग्रेस नेता की हत्या के बाद फूंके घर

नई दिल्ली । विधानसभा चुनाव के बाद हिंसा झेलने वाले बंगाल में एक बार फिर से वही दौर शुरू होता दिख रहा है। सोमवार को टीएमसी के एक पंचायत नेता की हत्या के बाद भड़की हिंसा में 10 लोगों की मौत की खबर है। इन लोगों के घरों को आग लगा दी गई थी, जिसमें वे जिंदा जलकर मर गए। इसके अलावा बड़ी संख्या में लोगों के घायल होने की भी खबर है। पुलिस ने कहा कि बीरभूम जिले की बारशल ग्राम पंचायत के उप-प्रधान भादू शेख की सोमवार को हत्या कर दी गई थी। उसके बाद ही रात को यह आगजनी कांड हुआ, जिसमें 10 लोग जिंदा जल गए। भादू शेख बोगतुई गांव के रहने वाले थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह आगजनी टीएमसी के एक गुट के सदस्यों की ओर से की गई है। हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज किया है। बीरभूम जिले के टीएमसी के अध्यक्ष अनुब्रत मंडल ने मंगलवार दोपहर को दावा किया कि यह आग हिंसा के दौरान नहीं लगाई गई है। उन्होंने कहा कि यह आगजनी शॉर्ट सर्किट के चलते हुई थी और उसी की वजह से घरों में आग लग गई। टीएमसी कार्यकर्ताओं की ओर से हमले की बात को खारिज करते हुए मंडल ने कहा, शॉर्ट सर्किट के चलते लोगों के घरों में आग लग गई थी और उससे ही मौतें हुई हैं। सोमवार की रात को कोई हिंसा नहीं हुई थी। फायर ब्रिगेड के एक कर्मचारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर कहा कि उन्होंने कम से कम 10 घरों को आग से बर्बाद पाया है।

दिल्ली-जयपुर हाईवे का सफर हो सकता है महंगा

नई दिल्ली । दिल्ली-जयपुर हाईवे समेत सोहना एलिवेटेड रोड से सफर करना एक अप्रैल से महंगा हो सकता है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की एक अप्रैल से खेड़की दौला टोल प्लाजा पर टोल टैक्स बढ़ाने की तैयारी है। इसके बाद दिल्ली-जयपुर हाईवे से गुजरने वाले वाहन चालकों को पहले से ज्यादा टोल टैक्स देना पड़ सकता है।वहीं, अप्रैल के पहले सप्ताह में सोहना एलिवेटेड रोड पर घामडोज में नवनिर्मित टोल प्लाजा को भी शुरू करने की पूरी तैयारी है। इसके शुरू होने के बाद सोहना, पलवल, अलवर जाने वालों को अपनी जेब ढीली करनी पड़ेगी। टोल टैक्स की दरों में बढ़ोतरी को लेकर एनएचएआई के अधिकारियों को सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से नोटिफिकेशन आने का इंतजार है।खेड़कीदौला टोल प्लाजा पर लागू टोल टैक्स की दरों में दस फीसदी तक की बढ़ोतरी हो सकती है। निजी वाहनों और हल्के वाहनों पर अभी एक तरफ के चक्कर का 65 रुपये टोल टैक्स लगता है। एक अप्रैल से इसे 70 रुपये किए जाने की संभावना है। वहीं भारी वाहनों और मासिक पास की दरों में भी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। टोल कंपनी को इसके बारे में अवगत करवा दिया गया है। एनएचएआई की और से अभी औपचारिक आदेश नहीं दिए गए हैं। सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से नोटिफिकेशन आने के बाद औपचारिक आदेश जारी किए जाएंगे।

पुष्कर सिंह धामी के लिए 6 विधायक सीट छोड़ने को तैयार

6 महीने के भीतर लेनी होगी सदन की सदस्यता

देहरादून । उत्तराखंड में भाजपा ने जीत के बाद सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुष्कर सिंह धामी को विधायक दल ने अपना नेता चुन लिया और भी उत्तराखंड के 12वें मुख्यमंत्री होंगे। पुष्कर सिंह धामी राज्य की खटीमा सीट से चुनावी मैदान में थे, लेकिन कड़े मुकाबले में वो चुनाव हार गए। राज्य में बीजेपी की जीत के बाद भी पार्टी के अंदर यह सवाल खड़ा हो गया कि मुख्यमंत्री किसे बनाया जाए? लेकिन पार्टी ने एक बड़ा नीतिगत बदलाव करते हुए हारे हुए उम्मीदवार धामी को एक बार फिर मुख्यमंत्री बनाने का फैसला किया। आमतौर पर जिसे चुनाव में हार मिली हो उसे मंत्री या मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाता था। साल 2017 में हुए हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में प्रेम कुमार धूमल को भी हार का मुंह देखना पड़ा था, जबकि वहां पार्टी चुनाव जीतने में कामयाब हुई थी, लेकिन तब वहां धूमल को मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया था, पर अब भाजपा ने एक बड़ा नीतिगत बदलाव करते हुए हार के बावजूद भी पुष्कर सिंह धामी को सीएम बनाने का फैसला लिया है। पुष्कर सिंह धामी 23 मार्च को दूसरी बार सीएम के तौर पर शपथ लेंगे, लेकिन संविधान के अनुच्छेद 164 (4) के तहत उन्हें 6 महीने के भीतर सदन की सदस्यता लेनी होगी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक धामी डीडीहाट विधानसभा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। इस सीट पर भाजपा के बिशन सिंह चुफाल ने जीत हासिल की है। हालांकि पांच अन्य विधायक भी उनके लिए सीट छोड़ने को तैयार हैं। जो पांच विधायक उनके लिए अब तक अपनी सीट छोड़ने का ऐलान कर चुके हैं। उनमें चंपावत के

विधायक कैलाश गहतोड़ी, जागेश्वर के मोहन सिंह मेहरा, लाल कुआं के डॉक्टर मोहन सिंह बिष्ट, रुड़की के प्रदीप बत्रा, और खानपुर के निर्दलीय विधायक उमेश कुमार का नाम शामिल है। इसके अलावा कुछ अन्य विधानसभा सीटों से भी उनके चुनाव मैदान में उतरने की चर्चा हो रही है।

झारखंडः लालू यादव की तबीयत फिर नासाज, एम्स रेफर करने की तैयारी

रांची । रांची चारा घोटाला मामले में सजा भुगत रहे बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद की तबीयत एक बार फिर नासाज हो गई है और उन्हें एम्स रेफर किया जा रहा है। इलाज करने वाले प्रमुख डॉक्टर विद्यापति ने बताया कि उनके किडनी की स्थिति बिगड़ रही है। क्रिएटिनिन लेवल लगातार बढ़ रहा है। इसको देखते हुए उन्हें एम्स रेफर किया जा रहा है। लालू प्रसाद का क्रिएटिनिन के अलावा यूरिया का लेवल भी बढ़ गया है। लालू प्रसाद का इलाज रिम्स में भी इनके गाइडलाइन के हिसाब से ही चल रहा है। सिर्फ शुगर और बीपी की दवाई के डोज को बढ़ाया गया था। अब स्थिति बिगड़ रही है इसलिए उन्हें एम्स भेजा जा रहा है। लालू प्रसाद फिलहाल रिम्स के पेइंग वार्ड के कमरा नंबर ए11 में भर्ती हैं। डॉक्टरों के मुताबिक लालू प्रसाद 19 तरह के विभिन्न बीमारियों से ग्रसित हैं। 21 फरवरी को सीबीआई की विशेष कोर्ट ने लालू प्रसाद यादव को चारा घोटाले के डोरंडा कोषागार से 139.35 करोड़ की अवैध निकासी के मामले में पांच साल की सजा सुनाई थी। रांची के विशेष जज एसके शशि ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए राजद सुप्रीमों को सजा सुनाई थी। इसके अलावा उन पर 60 लाख का जुर्माना भी लगाया गया है। बता दें कि चारा घोटाला मामले में सजायाफ्ता लालू यादव तबीयत खराब होने की वजह से रिम्स में भर्ती हैं। पिछली सुनवाई के दौरान उन्हें जमानत नहीं मिल पाई थी। अब 11 मार्च को उनकी जमानत पर सुनवाई होनी है। सीबीआई कोर्ट से सजा मिलने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी।

आरबीआई ने कानपुर स्थित पीपुल्स को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड का लाइसेंस रद्द किया

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक ने एक और सहकारी बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है। यह इस साल आरबीआई की कार्रवाई का सामना करने वाला चौथा बैंक है। बैंकिंग नियामक ने कानपुर स्थित पीपुल्स को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड का लाइसेंस रद्द कर दिया है, क्योंकि उसके पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं। इस संदर्भ में आरबीआई ने कहा कि, सहकारिता आयुक्त और सहकारी समितियों, उत्तर प्रदेश के रजिस्ट्रार से भी बैंक को बंद करने और ऋणदाता के लिए एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने का अनुरोध किया गया है। परिसमापन पर, प्रत्येक जमाकर्ता जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम से 5 लाख रुपए तक का जमा बीमा दावा प्राप्त करने का हकदार होगा। पीपुल्स को-ऑपरेटिव बैंक को बैंकिंग का व्यवसाय करने से प्रतिबंधित किया गया है, जिसमें जमा की स्वीकृति और पुनर्भुगतान शामिल है। आरबीआई ने कहा कि बैंक 21 मार्च, 2022 को कारोबार बंद होने से बैंकिंग कारोबार करना बंद कर देता है। इसमें कहा गया है कि लाइसेंस रद्द कर दिया गया था, क्योंकि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं थीं। नियामक ने कहा कि बैंक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, 99 फीसदी से अधिक जमाकर्ता अपनी जमा राशि की पूरी राशि डीआईसीजीसी आरबीआई ने कहा कि 14 फरवरी, 2022 तक, डीआईसीजीसी ने प्राप्त इच्छा के आधार पर तहत कुल बीमित जमा राशि में से 6.97 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं।

पेट्रोल-डीजल-एलपीजी की कीमतों में इजाफा, कांग्रेस का तंज- यही हैं मोदी के अच्छे दिन

नई दिल्ली । पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बाद पेट्रोल, डीजल की कीमतों के बढ़ने की की रही आशंका सही साबित हुई। देश में महंगाई से जनता पहले ही परेशान थी कि अब पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में वृद्धि ने उसकी कमर तोड़ कर रख दी है। इसके अलावा देश में एफडी, पीपीएफ, ईपीएफ पर ब्याज भी कम कर दिया गया है जिससे आम आदमी को नुकसान उठाना पड़ रहा है। बढ़ती महंगाई की मार से शहरी ही नहीं ग्रामीण क्षेत्र भी प्रभावित हैं। खाद्य वस्तुओं के दामों में वृद्धि गरीब व्यक्ति का जीना मुहाल किये हुए है। पेट्रोल और डीजल के दामों में भले साढ़े चार महीने बाद आज वृद्धि हुई लेकिन इस वृद्धि के साथ ही अब महंगाई का और बढ़ना तय है। घरेलू रसोई गैस के दाम में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी भी महंगाई को नई ऊंचाई प्रदान करेगी। उधर इस मूल्यवृद्धि पर राजनीति भी शुरू हो गयी है। संसद में यह मुद्दा उठाया गया है और इस वृद्धि की आलोचना करते हुए कांग्रेस ने कटाक्ष करते हुए कहा है कि यही हैं मोदी के अच्छे दिन। मालूम हो कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मंगलवार को 80 पैसे प्रति लीटर, जबकि घरेलू रसोई गैस के दाम में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत अब 96 रुपये 21 पैसे प्रति लीटर होगी, जो पहले 95 रुपये 41 पैसे थी, जबकि डीजल की कीमत 86 रुपये 67 पैसे प्रति लीटर से बढ़कर 87 रुपये 47 पैसे हो गई है। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजधानी में बिना सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम के रसोई गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ाकर 949 रुपये 50 पैसे कर दी गई है। हम आपको बता दें कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें चार नवंबर से स्थिर थीं। संभवतः पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों को देखते हुए इनकी कीमत में वृद्धि नहीं की गयी थी जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि के चलते तेल कंपनियों को घाटा उठाना पड़ रहा था। वहीं एलपीजी की कीमत में अंतिम बार छह अक्टूबर 2021 को संशोधन किया गया था। हालांकि, महामारी की वजह से आई मंदी और फिर रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण कच्चे माल की बढ़ती लागत के बावजूद एलपीजी और ऑटो ईंधन दोनों की कीमतें तब से स्थिर थीं। उल्लेखनीय है कि गैर-सब्सिडी वाली रसोई गैस वह है जिसे उपभोक्ता सब्सिडी वाले या बाजार से कम दरों पर 12 सिलेंडरों का अपना कोटा खत्म हो जाने के बाद खरीदते हैं। हालांकि, सरकार ज्यादातर शहरों में एलपीजी पर कोई सब्सिडी नहीं देती है और बहुचर्चित 'उज्ज्वला योजना' के तहत मुफ्त कनेक्शन पाने वाली गरीब महिलाओं समेत सामान्य उपभोक्ताओं को मिलने वाले रिफिल सिलेंडर की कीमत बिना सब्सिडी वाले या बाजार मूल्य एलपीजी के समान है। अब माना जा रहा है कि पांच किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत 349 रुपये होगी जबकि 10 किलोग्राम के 19 किलो के वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत अब 2003.50 रुपये है। दूसरी ओर, जून 2017 से पेट्रोल और डीजल की कीमतों को पिछली 15 दिन की अंतरराष्ट्रीय दर के अनुरूप दैनिक रूप से समायोजित किया जा रहा है।

शशि थरूर के खिलाफ एकजुट हुई केरल कांग्रेस शिकायत लेकर सोनिया गांधी से मिले नेता

नई दिल्ली । केरल के कई कांग्रेस सांसदों ने पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी से अलग से मुलाकात की। इस दौरान इन्होंने पार्टी के सीनियर नेता शशि थरूर की शिकायत की। दरअसल, थरूर ने सीपीएम के पार्टी कांग्रेस के तहत हो रही कॉन्फ्रेंस में शामिल होने का आमंत्रण स्वीकार किया है, जिसे लेकर राज्य कांग्रेस नेताओं में उनके प्रति रोष है। रिपोर्ट के मुताबिक, सोनिया ने कहा कि वह इस मामले में पीसीसी की शिकायत पर विचार करेंगी। कांग्रेस की केरल ईकाई के प्रमुख के सुधाकरण ने कहा कि पार्टी ने अपने नेताओं को कार्यक्रम में हिस्सा लेने से मना कर दिया है, क्योंकि वह प्रस्तावित के-रेल परियोजना को लेकर राज्य की माकपा नीत सरकार के खिलाफ मजबूती से लड़ रही है। बहरहाल, थरूर ने कहा कि जिस कॉन्फ्रेंस के लिए उन्हें आमंत्रित किया गया है उसका विषय केरल या के-रेल से संबंधित नहीं है। थरूर ने कहा, उन्होंने मुझे आमंत्रित किया था और मैंने इसे स्वीकार कर लिया। इस बार उन्होंने मुझे अपनी पार्टी कांग्रेस के हिस्से के रूप में आयोजित की जा रही कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है। राजनीतिक संवाद में शामिल होने में कुछ भी गलत नहीं है और संगोष्ठी का विषय के-रेल या केरल से संबंधित नहीं है। माकपा का आमंत्रण कांग्रेस नेता केवी थॉमस ने भी स्वीकार किया है। थरूर और थॉमस दोनों कांग्रेस आलाकमान से संपर्क करने की योजना बना रहे हैं, ताकि पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी से कार्यक्रम में शामिल होने की अनुमति मांग सकें। वाम दल ने तिरुवनंतपुरम के सांसद थरूर और पूर्व केंद्रीय मंत्री थॉमस को कन्नूर में छह-10 अप्रैल तक होने वाले उसके 23वीं पार्टी कांग्रेस से पहले विभिन्न संगोष्ठियों में भाग ने विभिन्न संगोष्ठियों के लिए कांग्रेस नेताओं को आमंत्रित किया है ।

संक्षिप्त समाचार

पवित्र सचखंड श्री दरबार साहिब में लगे सोने की पत्रियों की धुलाई के लिए सेवा शुरू

अमृतसर । सिखो के पवित्र तीर्थ कहलाने वाले सचखंड गुरुद्वारों में एक श्री दरबार साहिब में लगे सोने की धुलाई की सेवा आरंभ की गई है। यह सेवा भाई महेन्दर सिंह प्रमुख गुरु नानक निष्काम सेवक जत्था बर्मिंघम (इंगलैंड) वालों की तरफ से करवाई जा रही है। हवा में प्रदूषण कारण सोने के पत्रों की चमक खराब हो जाती है, धुलाई के बाद चमक वापिस लौट आती है। मालूम हो कि भाई महेन्दर सिंह को पहले भी सचखंड श्री दरबार साहिब पर जून 1984 में हुए सैनिक हमले के बाद खराब हुए बाहरी पत्रियों पर सोने की सेवा सौंपी गई थी, जो उन्होंने संगत के सहयोग के साथ श्री दरबार साहिब की इमारत पर लगे पत्रियों पर नया सोना चढ़वा कर की। यह सेवा 1999 में खालसा की 300वीं जयंती के शताब्दी वर्ष के समय पूरी हुई थी। भाई महेन्दर सिंह ने संगत के सहयोग के साथ मुकम्मल की थी। सोने की चमक को बरकरार रखने के लिए धुलाई की सेवा भी करते आ रहे हैं। इस मौके पर शिरोमणि कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि गुरु राम दास जी के पवित्र तीर्थ सचखंड श्री दरबार साहिब में सोने की सफाई और रख-रखाव पर विशेष ध्यान दिया जाता है और समय-समय इस की धुलाई का कार्य भाई महेन्दर सिंह बर्मिंघम वालों की तरफ से संगत के सहयोग के साथ किया जाता है। उन्होंने कहा कि बारिश और प्रदूषण के कारण समय के साथ सोने की चमक कम होती जाती है, जिससे सफाई जरूरी हो जाती है। इस बार कोरोना के चलते करीब 2 वर्ष की अवधि के बाद यह सेवा की गई है। उन्होंने कहा कि यह सेवा गुरु नानक निष्काम सेवक जत्था द्वारा की जाती है। एसजीपीसी अध्यक्ष ने गुरु नानक निष्काम सेवक जत्थे के भक्तों को धन्यवाद दिया और आशा व्यक्त की कि वे इसी तरह गुरु घर की सेवा करते रहेंगे। इस बीच, गुरु नानक निष्काम सेवक जत्था बर्मिंघम के एक सेवक भाई इंद्रजीत सिंह ने कहा कि जत्थे ने 1995 से 1999 तक पहली बार पत्रों की सेवा शुरू की थी और तब से वे सोने की धुलाई में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह सेवा करीब 10-12 दिनों तक जारी रहेगी जिसके तहत मंदिर के बाहरी हिस्से पर लगे सोने को प्राकृतिक रूप से धोया जाएगा।

बिहार अध्यात्म और संस्कृति की धरती है, वह कभी पिछड़ा नहीं हो सकताः बिरला

नई दिल्ली । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बिहार दिवस के मौके पर सदन में कहा कि बिहार अध्यात्म और संस्कृति की धरती है, वह कभी पिछड़ा नहीं हो सकता। संसद के निचले सदन में प्रश्नकाल के दौरान बिरला ने टिप्पणी उस वक्त की जब राज्य से भाजपा के सदस्य रामकृपाल यादव ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय से संबंधित पूरक प्रश्न पूछने के दौरान बिहार के पिछड़ेपन का उल्लेख किया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि आज बिहार दिवस है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि बिहार अध्यात्म और समृद्ध संस्कृति की धरती है, बिहार कभी पिछड़ा नहीं हो सकता और बौद्धिक क्षमता वाले सबसे अधिक नौजवान बिहार के हैं। सदन की कार्यवाही आरंभ होने से पहले बिरला ने बिहार दिवस पर ट्वीट किया, गौरवशाली इतिहास और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से सुशोभित बिहार के निवासियों को राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आज के दिन बिहार के सर्वांगीण विकास और समृद्धि तथा यहां के लोगों के कल्याण की कामना करता हूं। बिहार दिवस हर साल 22 मार्च को मनाया जाता है। वर्ष 1912 में इसी दिन बंगाल प्रांत से अलग होकर बिहार एक स्वतंत्र राज्य के रूप में अस्तित्व में आया था।

चीन में 5 मिनट में ही रेडमी के 50 सीरीज के 3.3 लाख से ज्यादा फोन बिके

मुंबई । 108 मैगा पिक्सल तक के प्राइमरी कैमरा वाले रेडमी के50 सीरीज स्मार्टफोन ने पहली सेल में तहलका मचा दिया है। पहली सेल में इस सीरीज के दोनों स्मार्टफोन रेडमी के50 और रेडमी के50 प्रो ने रिकॉर्डतोड़ सेल की। कंपनी ने कन्फर्म किया कि पहली सेल में केवल 5 मिनट में ही रेडमी के 50 सीरीज के 3.3 लाख से ज्यादा फोन बिक गए। इस सीरीज की पहली सेल चीन में हुई थी और कंपनी इन दोनों डिवाइस को मिले इस जबर्दस्त रिस्पॉन्स से काफी उत्साहित है। चीन में रेडमी के50 12जीबी तक की रैम और 256जीबी तक के इंटरनल स्टोरेज के साथ आता है। इसकी शुरुआती कीमत 2399 युआन (करीब 28,800 रुपये) है। बात अगर रेडमी के50 प्रो की करें,तब यह 12जीबी तक की रैम और 512 जीबी तक के इंटरनल स्टोरेज से लैस है। इसकी शुरुआती कीमत चीन में 2,999 युआन (करीब 36 हजार रुपये) है। दोनों स्मार्टफोन में कंपनी 120एचजेड के रिफ्रेश रेट के साथ 6.67 इंच का क्यूएचडी प्लस डिस्प्ले दे रही है। प्रोसेसर के तौर पर रेडमी के50 में डाइमेंसिटी 8100 चिपसेट दिया जा रहा है। वहीं, रेडमी के 50 प्रो में डाइमेंसिटी 9000 चिपसेट दिया गया है। फोटोग्राफी के लिए के 50 में 48 मेगापिक्सल और के 50 प्रो में 108 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा दिया गया है। सेल्फी के लिए दोनों फोन में कंपनी 20 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा ऑफर कर रही है।

कश्मीरी पंडितों के नरसंहार पर बोले फारूक अब्दुल्ला मैं दोषी पाया जाऊं तो कहीं भी फांसी पर लटका दो

नई दिल्ली । द कश्मीर फाइल्स मूवी आने के बाद से कश्मीर घाटी से हिंदुओं के नरसंहार और पलायन का मुद्दा एक बार फिर से चर्चा में आ गया है। इसके लिए एक वर्ग जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला को भी दोषी ठहरा रहा है। इस बीच फारूक अब्दुल्ला ने ऐसे आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि यदि उन्हें 1990 में हुए नरसंहार का दोषी पाया जाता है तो फिर देश में कहीं भी फांसी पर लटका दिया जाए, वह इसके लिए तैयार हैं। चैनल से बातचीत में अब्दुल्ला ने कहा, सत्य बाहर आ जाएगा, यदि आप इसकी जांच के लिए किसी ईमानदार जज को नियुक्त करें और कमेटी बनाएं। आप जान जाएंगे कि इसके लिए कौन जिम्मेदार था। यही नहीं उन्होंने कहा, यदि फारूक अब्दुल्ला दोषी पाया जाता है तो फिर वह देश में कहीं भी फांसी पर लटकने के लिए तैयार है। मैं इस ट्रायल के लिए तैयार हूं, लेकिन उन लोगों को जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहिए, जिसका इससे लेना-देना नहीं रहा। कश्मीरी पंडितों के नरसंहार को लेकर अब्दुल्ला ने कहा, मैं नहीं मानता कि इसके लिए मैं जिम्मेदार हूं। यदि लोग इस बारे में कड़वा सच जानना चाहते हैं तो फिर उन्हें उस दौर के आईबी चीफ से बात करनी होगी। इसके अलावा केरल के गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान से भी जानकारी ले सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत धमकी देकर 4 लाख रुपये की मांग करने PSI सहित दो कांस्टेबल निलंबित

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के उमरा थाना क्षेत्र में एक व्यापारी को शराब के मामले में फंसाने की धमकी देने के आरोप में एक महिला पीएसआई व दो आरक्षक को निलंबित कर दिया गया है. यदि सत्ता का दुरुपयोग करने और गलत नीयत से लोगों को परेशान करने पर कोई कार्रवाई की जाती है तो किसी भी अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी.

शराब मामले में फंसाने का प्रयास उमरा क्षेत्र में एक व्यापारी के खिलाफ झूठा मामला दर्ज करने पर एक महिला पीएसआई सहित दो अन्य पुलिस आरक्षकों द्वारा भी इसी तरह की कार्रवाई की गयी है. सूरत पुलिस महकमे ने बेड़ा में हड़कंप मचा दिया है. पता चला है कि पीएसआई ने अपने वरिष्ठों को बिना बताए शराब मामले में जबरन व्यापारी को फंसाने की कोशिश की.

मिली जानकारी के अनुसार उमरा की महिला पीएसआई और कांस्टेबल को सस्पेंड कर कांस्टेबल, हरेश घनश्याम और सत्यपालसिंह के साथ 8 मार्च को घोड्डोद रोड प्रेसीडेंसी

दिया गया है.

पुलिसकर्मी ने शराब पीने का झूठा मामला बनाने के आरोप में व्यापारी से चार लाख रुपये की मांग की थी . उमरा पुलिस के घोड्डोद रोड चौकी पर ड्यूटी पर तैनात एक महिला पीएसआई और 2 पीओ को निलंबित कर दिया गया है. घोड्डोद रोड पुलिस चौकी के पीएसआई केएन चोपड़ा, अप्पा में। व्यापारी करण साहनी के खिलाफ शराब पीने का मामला था। अपने खिलाफ की गई कार्रवाई को लेकर व्यापारी ने कमिश्नर से गुहार लगाई है कि पीएसआई जबरन घर में घुसा है। वारंट के बारे में पूछने पर उसने सिर हिलाया और एनडीपीएस पर मुकदमा करने की धमकी देते हुए कहा कि उसने 4 लाख रुपये की मांग की थी। इसलिए कमिश्नर ने पीएसआई चोपड़ा और दोनों आरक्षकों को सस्पेंड कर दिया है।

पुलिस आयुक्त अजय तोमर ने कहा कि उमरा इलाके को बिना बताए छापेमारी की गई. प्रारंभिक जांच में मिले कुछ तथ्यों के आधार पर उन्हें निलंबित किया गया है। छापेमारी की जांच के लिए पुलिस के पास सभी तरह के अधिकार हैं। लेकिन अगर वे गाली देते हुए पाए जाते हैं, तो उन्हें दंडित किया जाएगा। फिर चाहे वो कोई अफसर ही क्यों न हो। जिस पर उमरा थाने की टीम ने छापेमारी की है. इसको लेकर संदेह जताया जा रहा है।

कर्मचारियों ने अपने अधिकार से परे जाकर अपने वरिष्ठों को सूचित किए बिना छापेमारी की।

वराछा डी स्टाफ के हेड कांस्टेबल 20,000 की रिश्वत लेते पकड़ा गया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वराछा पुलिस के डी स्टाफ के हेड कांस्टेबल रामदेव सिंह को एसीबी ने मंगलवार देर शाम 20

हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा.पुलिसकर्मी ने शराब बेचने वाले के पिता और शराब की सप्लाई करने वाले मंगल पर आरोप नहीं लगाने के लिए रिश्वत की मांग की.इससे पहले, एक पुलिसकर्मी और उसके रिक्शा चालक ने बूटलेगर के पिता को आरोपित होने से रोकने के लिए 1.45 लाख रुपये की तोड़फोड़ की थी।वराछा पुलिस के डी स्टाफ के 13तारीख को हेड.कांस्टेबलसूरत रेलवे स्टेशन से रामदेव सिंह वाला और उनके स्टाफ ने शराब के 3 पेटी के साथ तस्कर को पकड़ा

रिश्वत लेने वाले पुलिसकर्मी रामदेव सिंह ने बूटलेगर के खिलाफ कार्रवाई की और अपने पिता से चार्ज न करने के लिए बूटलेगर से 2 लाख रुपये की मांग की।बूटलेगर के अनुरोध के बाद, रामदेव सिंह ने आखिरकार पिता को चार्ज न करने के लिए 1.50 लाख रुपये की कीमत तय की।जिसमें से 1 लाख एचसीओ रामदेव सिंह ने लिया था।

जमानत पर रिहा होने के बाद, बूटलेगर ने शेष 50,000 रुपये में से 45,000 रुपये एक रिक्शा में एक पुलिसकर्मी अशोक को सौंप दिए।जब 5,000 रुपये की राशि बकाया थी, तो रिश्वत मांगने वाले ने और 15,000 रुपये की मांग की ताकि आपूर्तिकर्ता मंगल को आरोपी न बनाया जा सके।बूटलेगर ने एसीबी से शिकायत की और एसीबी ने वराछा में जाल बिछाया और आरोपी को रिश्वत लेते पकड़ा.

ACB जाल बिछाया और आरोपी को रिश्वत लेते पकड़ा.

एक साल पहले हुआ था आरोपी का प्रमोशन एसीबी ने मंगलवार को वराछा मातावाड़ी चार रास्ता के पास एक सार्वजनिक सड़क पर जाल बिछाया।रामदेव सिंह दादूभा वाला (पता-पुलिस लाइन, रामपुरा) को 20,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया।एक साल पहले रामदेव सिंह वाला को हेड कांस्टेबल से हेड कांस्टेबल के पद पर पदोन्नत किया गया था।

इससे पहले बूटलेगर के पिता को आरोपी नहीं बनाने पर 1.45 लाख रुपये लेने पर अतिरिक्तरु 20 हजार की मांग की थी

स्पा की आड में चल रहा था देह व्यापार, पुलिस ने रेड कर महिला समेत तीन लोगों को पकड़ा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,शहर के वराछा क्षेत्र के मारुति चौक में स्पा की आड में चल रहे देह व्यापार के अड्डे पर पुलिस ने रेड कर महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई महिला ग्राहकों से 800 रुपए लेकर युवतियों को केवल 300 रुपए देती थी। जानकारी के मुताबिक सूरत के वराछा क्षेत्र के मारुति चौक के निकट प्लोट नंबर 117 की पहली मंझिल पर 30 वर्षीय भारती रामचंद्र स्वाई नामक महिला स्पा की आड़ में सेक्स रैकेट चलाती थी। पुलिस ने छापेमारी कर लिया। पुलिस की छापेमारी के दौरान तीन युवतियां और तीन ग्राहक आपत्तिजनक स्थिति पकड़े गए। स्पा की आड में सेक्स रैकेट चलानेवाली 30 वर्षीय भारती रामचंद्र स्वाई ग्राहकों से रु 800 वसूलती और युवतियों को केवल रु 300 देती थी। भारती स्वाई ३५ वर्षीय रतिकांत हरिकृष्णा जैना के साथ मिलकर सेक्स रैकेट चलाती थी। पुलिस ने घटनास्थल से रु 17450 नकद, रु 52 हजार कीमत के 7 मोबाइल फोन, 8 कोन्डोम समेत कुल रु 67450 का माल सामान जब्त कर लिया।

कंट्रोल रूम से मिली सूचना के आधार पर सूरत के वराछा पुलिस ने गत शाम अनमोल स्पा में रेड कर चार युवतियों और चार ग्राहकों को दबोच वराछा पुलिस ने भारती स्वाई, रतिकांत जैना और किराए पर दुकान देनेवाले मनोज नागजी मावाणी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरूकी।